हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

फिल्म गेम चेंजर का नया सिंगल धोप का प्रोमो आउट 22 दिसंबर को रिलीज होगा राम चरण - कियारा का इलेक्ट्रिकल...

www.naisochlive.com | पटना, सोमवार, 23 दिसंबर 2024, वर्ष- 07, अंक- 299, पृष्ठ-8, मूल्य - 3:00 | naisochexpreess@gmail.com

प्रधानमंत्री सोमवार को 71 हजार युवाओं को वितरित करेंगे नियुक्तिपत्र

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त भर्तियों के लिए 71 हजार से अधिक नियुक्ति पत्रों का वितरण करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण और आत्म-सशक्तिकरण में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। रोजगार मेला देशभर में 45 स्थलों पर आयोजित किया जाएगा। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए भर्तियां हो रही हैं। देशभर से चयनित नए कर्मचारियों को गृह मंत्रालय, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग सहित विभिन्न मंत्रालयों व विभागों में नियुक्त होंगे।

मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर'

एजेंसी, नई दिल्ली

कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना सर्वोच्च सम्मान "द ऑर्डर का मुबारक अल कबीर" से सम्मानित किया। यह प्रधानमंत्री मोदी का 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी और कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में दोनों देशों ने भारत-कुवैत संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर शनिवार से कुवैत के प्रवास पर हैं। यात्रा के दूसरे दिन रविवार को शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता से पहले यहां प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत के बेयान पैलेस में कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कुवैत के क्राउन प्रिंस सबा अल-खालिद अल-सबाह से भी मुलाकात की। कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना सर्वोच्च सम्मान "द ऑर्डर का मुबारक अल कबीर" प्रदान किया। यह प्रधानमंत्री मोदी

का मिला 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। उल्लेखनीय है कि ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का सर्वोच्च सम्मान है। यह मित्रता के प्रतीक के रूप में राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी संप्रभुओं तथा विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को प्रदान किया जाता है। इसे पहले बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। पिछले 43 वर्ष में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस खाड़ी देश की यह पहली यात्रा है। इस मौके पर दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। वार्ता की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि चर्चा में दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के तरीकों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया। प्रधानमंत्री ने कुवैत में भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए अमीर के प्रति आभार व्यक्त किया। कुवैत से संबंधों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, "कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल सबा के साथ शानदार बैठक हुई। हमने फार्मास्यूटिकल्स, आईटी, फिनटेक, इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। हमारे देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों के अनुरूप, हमने अपनी साझेदारी को रणनीतिक स्तर तक बढ़ाया है और मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में हमारी दोस्ती और भी मजबूत होगी।" यहां कुवैती समाचार एजेंसी की महानिदेशक फातमा अल-सलेम के साथ एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि व्यापार, वाणिज्य कुवैत के साथ संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि फार्मास्यूटिकल, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की काफी संभावनाएं हैं।

चुनाव नियमों में बदलाव को खड़गे ने बताया केंद्र सरकार का संविधान और लोकतंत्र पर हमला

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनाव नियमों में संशोधन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने इसे चुनाव आयोग की निष्पक्षता और लोकतंत्र को कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश करार दिया। खड़गे ने केंद्र सरकार पर चुनाव आयोग की स्वतंत्रता खत्म करने का आरोप लगाते हुए इसे संविधान और लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को चुनाव आयोग की सिफारिश पर चुनाव नियम, 1961 में संशोधन किया है। इसके तहत सीसीटीवी फुटेज, वेबकास्टिंग, और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों को सार्वजनिक निरीक्षण से बाहर रखा गया है। केंद्र का तर्क है कि यह कदम इन दस्तावेजों के दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि चुनाव नियमों में संशोधन भारत के चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता को नष्ट करने की एक व्यवस्थित साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले मोदी सरकार ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित चयन पैनल से मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया था, और अब हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद चुनावी जानकारी को सार्वजनिक करने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवालः खड़गे ने कहा कि जब भी कांग्रेस ने चुनाव में अनियमितताओं, मतदाता सूची से नाम हटाने, और ईवीएम की पारदर्शिता को लेकर शिकायत की, चुनाव आयोग ने उन्हें खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह कदम चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को कमजोर कर संविधान और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। खड़गे ने बताया कि चुनाव से जुड़े सभी कागजात सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध होने चाहिए।

राम मंदिर की प्रतिष्ठा द्वादशी पर 11 से 13 जनवरी तक होंगे कई अनुष्ठान और बहुरंगी कार्यक्रम

एजेंसी, अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ भारतीय काल गणना के अनुसार मनाई जाएगी। उक्त जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने कारसेवक पुरम में रविवार को दी। ट्रस्ट के महामंत्री राय ने आज पत्रकार वार्ता में बताया कि वर्ष 2025 में जनवरी मास में पौष शुक्ल द्वादशी 11 जनवरी को दोपहर समय 12: 20 बजे मंदिर गर्भगृह में आरती और विशेष पूजा होगी। उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा पौष शुक्ल द्वादशी 22 जनवरी 2024 को की गई थी, वर्ष 2025 में जनवरी मास में पौष शुक्ल द्वादशी 11 जनवरी को है। इसे 'प्रतिष्ठा द्वादशी' नाम दिया गया है। इस अवसर पर तीन दिवसीय (11,12 व 13 जनवरी) आयोजन होगा। व्यवस्था के दृष्टिगत पांच स्थानों को आयोजन स्थल बनाया गया है। राय ने बताया कि शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिनी शाखा के 40 अध्यायों के 1975 मंत्रों से अग्नि देवता को आहुति प्रदान की जाएगी, 11 वैदिक मन्त्रोच्चार करेंगे। होम का यह कार्य प्रातः काल 8 से 11 बजे तक और अपराह्न 2 से 5 बजे तक होगा।

जनकपुर में दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का आज आखिरी दिन

एजेंसी, काठमांडू

जनकपुर के जानकी मंदिर परिसर में शनिवार से शुरू हुए अंतराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का आज आखिरी दिन है। कॉन्क्लेव में भारत-नेपाल के लोक संस्कृति नृत्यों की प्रस्तुति हुई। पहले दिन विश्व प्रसिद्ध गायक एवं भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा की प्रस्तुति हुई। आज प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी की प्रस्तुति हो रही है। इसी तरह देर रात आज कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, अंतराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या तथा उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के संयुक्त आयोजन में जनकपुर में दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय रामायण कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। जानकी मंदिर ट्रस्ट के सहयोग से रविवार को इस कॉन्क्लेव में कई शोध पत्र भी पेश किये जाएंगे। इस कॉन्क्लेव के पहले सत्र में शनिवार को आयोजित रामायण समागम के तहत भारत से आए संत विद्या भास्कर महाराज, संत सुखदेव दास, बालक दास एवं नेपाल के धर्म गुरु डॉ. पुरुषोत्तम आचार्य, रामानंद महाराज के साथ जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी महंथ रामरोशन दास ने रामायण काल के सांस्कृतिक संबंधों पर चर्चा की। जनकपुर और अयोध्या का संबंध त्रेता युग से ही चले आने के कारण यह अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि त्रेता युग से आज तक भगवान श्रीराम और माता जानकी के बीच वैवाहिक संबंध को उसी उत्साह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाता है। जानकी मंदिर के महंथ रामरोशन दास ने बताया कि मिथिला वासी आज भी जानकी जी को बहन की तरह ही मानते हैं और घर-घर में उनकी पूजा उसी तरह से की जाती है।

महाराष्ट्र में अवैध बांग्लादेशियों की धरपकड़ तेज करके उन्हें वापस भेजा जाएगा : सीएम फडणवीस

एजेंसी, मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में रह रहे अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की धरपकड़ तेज करके उन्हें वापस उनके देश में भेजा जाएगा। इसके लिए प्रशासकीय स्तर पर जोरदार तैयारी की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के धार्मिक स्थलों को राज्य के नियंत्रण में लाने की मांग का अध्ययन करेगी। देवेंद्र फडणवीस ने आज नागपुर में कहा कि राज्य सरकार मुंबई में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर अडिग है। हमने उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा।" देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सभागृह में हिंदुओं के अलावा अन्य धर्मों के धार्मिक स्थलों को राज्य सरकार के नियंत्रण में लाने की आवश्यकता जताई थी। उन्होंने कहा था कि यह जनता की मांग है कि न केवल हिंदू मंदिर बल्कि अन्य धर्मों के पूजा स्थलों को भी सरकारी नियंत्रण में लाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री फडणवीस ने दो दिन पहले विधानसभा में यह भी दावा किया था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भारत जोड़ो अभियान को नक्सल आंदोलन के कुछ प्रतिबंधित फ्रंटल संगठनों का समर्थन प्राप्त था। इस पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिख कर इन संगठनों के नाम सार्वजनिक किए जाने की मांग की थी। इस पर और खुलासा करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इन संगठनों के खिलाफ यूएपीए और अन्य कानूनों के तहत कार्रवाई की जा चुकी है।

उप के संभल में एसआई टीम तीसरे दिन भी सर्वे में डटी

एजेंसी, संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जनपद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की चार सदस्यीय टीम का सर्वे कार्य रविवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी है। लखनऊ से आई एएसआई की टीम ने शुक्रवार और शनिवार को संभल में छह तीर्थ स्थलों और 20 कुओं का सर्वे किया था। टीम शनिवार को प्राचीन कल्कि विष्णु मंदिर पहुंची थी और वहां करीब 30 मिनट तक रुककर हर बिंदु की बारीकी से जांच की और साक्ष्य जुटाए। टीम ने यहां गुंबद और अन्य संरचनाओं की ऐतिहासिकता का पता लगाने के लिए फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई। बीते दिनों जनपद में चलाये गए अति क्रमण अभियान के दौरान मुस्लिम बाहुल्य इलाके में शिव मंदिर और बंद कुएं मिले थे। इसके बाद जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया ने जांच के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को पत्र लिखकर जिले के प्राचीन तीर्थ स्थलों और कुओं का निरीक्षण कराने की मांग की थी। एएसआई की टीम ने शुक्रवार और शनिवार को संभल में कुल 19 कुओं और पांच तीर्थ स्थलों का सर्वे किया। इस दौरान टीम ने खग्गू सराय स्थित प्राचीन शिव मंदिर और वहां परिसर में बने कुएं की कार्बन डेटिंग के लिए नमूने भी लिए।

पश्चिम बंगाल में संदिग्ध कश्मीरी आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी, दक्षिण 24 परगना : जम्मू कश्मीर एसटीएफ और बंगाल पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग अस्पताल मोड़ इलाके से शनिवार रात को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल एक शख्स को गिरफ्तार किया है। रविवार को पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार शख्स का नाम जावेद मुंशी है और वह मूल रूप से कश्मीर के श्रीनगर का निवासी है। आरोप है कि वह आतंकवादी संगठन तहरीक-उल-मुजाहिदीन का सदस्य है। जावेद कैनिंग अस्पताल मोड़ इलाके में अपने एक रिश्तेदार से मिलने आया था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जावेद से पूछताछ की जा रही है। विस्तृत विवरण इंतजार है।

कांग्रेस ने सर्व धर्म प्रार्थना सभा का किया आयोजन

एजेंसी | रांची

रांची जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से रांची के मोरहाबादी मैदान में रविवार को सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। रांची जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राकेश किरण महतो ने कहा कि झारखंड के एनडीए के वर्तमान सभी 12 लोकसभा और राज्यसभा सांसदों की सद्बुद्धि के लिए सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से अपनी धार्मिक पद्धति से ईश्वर से प्रार्थना की कि झारखंड का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी सांसदों को उनकी जवाबदेही एवं कर्तव्य का बोध हो। उन्हें झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता की अपेक्षाओं एवं आकांक्षाओं का आभास कराने के लिए ही इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। डॉ. राकेश ने कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार पिछले चुनावों में अपने किए गए वादों से मुकर गई है। उनके वादे अब जुमले बन चुके हैं। उनकी सभी फ्लैगशिप योजनाएं विफल साबित हो रही हैं। वर्ष 2014 में बनी इस सरकार से आशा थी कि वह जनहित में काम करेगी परंतु बेतहाशा बढ़ती महंगाई एवं बेरोजगारी ने आम जनता की कमर कमर तोड़ दी है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की आसमान छूती महंगाई ने आम जनता का जीना दूभर कर दिया है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार केंद्र की भाजपा सरकार से लगातार अपना हक-अधिकार मांग रही है परंतु ना उसके कोयला रॉयल्टी का बकाया 1,36,000 करोड़ रुपये ही दे रही है और ना ही पीएम आवास, मनरेगा सहित अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं की राशि निर्गत कर रही है। यह झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार है और झारखंडियों के साथ अन्याय है। कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन के दल इस मुद्दे पर अब चुप नहीं बैठेंगे। आज सर्वप्रथम सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन कर सांकेतिक रूप से झारखंड के एनडीए के सभी सांसदों को कर्तव्य बोध का आभास कराने का प्रयास किया गया है ताकि वे अपनी जवाबदेही को समझें।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शक्तिपीठ तनोट माता के किए दर्शन

एजेंसी, जैसलमेर

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को जैसलमेर में शक्तिपीठ तनोट माता के दर्शन किए एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां तनोटराय से देश में खुशहाली की मंगल कामना की। उन्होंने तनोट परिसर में आयोजित विजुअल और हथियार प्रदर्शनी का अवलोकन किया। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 55वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में शामिल होने जैसलमेर आई थी। अपनी तीन दिवसीय जैसलमेर यात्रा के बाद रविवार दोपहर को वे इंडिगो की फ्लाइट से दिल्ली लौट गई। क्षेत्रीय मुख्यालय जैसलमेर (उत्तर) के उप महानिरीक्षक योगेंद्र सिंह राठौड़ ने उन्हें इस प्रदर्शनी के बारे में उनको जानकारी दी। इससे पूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्री ने तनोट माता मंदिर परिसर में स्थित विजय स्तम्भ पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां पर सीमा सुरक्षा बल की विशेष गार्ड ने वित्त मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विषम परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे सीमा सुरक्षा बल के बहादुर जवानों से बातचीत की व उनकी हौसला अफजाई की। मंदिर परिसर में पहुंचने पर एमएल गर्ग (महानिरीक्षक) सीमांत मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल राजस्थान, योगेन्द्र सिंह राठौड़ (उप महानिरीक्षक) क्षेत्रीय मुख्यालय जैसलमेर (उत्तर), सुरेंद्र कुमार (समादेष्टा) क्षेत्रीय मुख्यालय जैसलमेर (उत्तर) और 166 वी वाहिनी के (समादेष्टा) वीरेंद्र पाल सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया एवं तनोट माता की तस्वीर स्मृति स्वरुप भेंट की।

देवी अहिल्याबाई होल्कर इंदौर बना देश का पहला जीरो वेस्ट एयरपोर्ट

केन्द्रीय मंत्री नायडू ने किया 55 करोड़ रुपये की लागत के नए एटीसी, फायर सेफ्टी भवन और गार्बेज प्लांट का लोकार्पण

एजेंसी, इंदौर

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर का देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट अब देश का पहला जीरो वेस्ट एयरपोर्ट बन गया है। अब यहां से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे का निस्तारण एयरपोर्ट पर ही हो सकेगा। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजारापु ने रविवार को यहां 55 करोड़ रुपये की लागत से नए एटीसी भवन एवं फायर सेफ्टी भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान सांसद शंकर लालवानी ने नागरिक उड्डयन मंत्री से इंदौर के लिए तीन मांगें भी रखी। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाया जाए। देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट इंदौर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ई-टाइप एयरक्राफ्ट की लैंडिंग जरूरी है और इसके लिए रनवे की लंबाई बढ़ाई जानी चाहिए। इंदौर में हवाई यात्री लगातार बढ़ रहे हैं इसलिए नई टर्मिनल बिल्डिंग की भी आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने मंच से ही सांसद लालवानी की तीनों मांगों को मंजूरी दी। सांसद लालवानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इंदौर की तीनों मांगों को मंजूरी प्रदान की है। हम इंदौर एयरपोर्ट को आगामी 50 सालों को ध्यान में रखकर तैयार कर रहे हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजारापु ने सांसद लालवानी की प्रशंसा करते हुए कहा कि कोई भी सांसद इतनी बार मुझसे नहीं मिला, जितनी बार लालवानी मुझसे मिले और इंदौर एयरपोर्ट के विकास के बारे में मुझसे चर्चा कर चुके हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक महेंद्र हार्डिया, भाजपा संगठन के वरिष्ठजन, एयरपोर्ट ऑथोरिटी के अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

विधवा दिव्यांग पेंशन न्यूनतम 3000 करें केंद्र सरकार : जयप्रकाश श्रीवास्तव

पटना। अखिल भारतीय विधवा दिव्यांग एवं महिला सुरक्षा सेना ट्रस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश श्रीवास्तव ने माननीय प्रधानमंत्री महोदय को पत्र लिखकर पूरे भारतवर्ष की दिव्यांग एवं विधवा पेंशन की राशि को न्यूनतम 3000 करने के लिए निवेदन किया है वर्तमान समय में अलग-अलग प्रांत में अलग-अलग राशि दी जाती है जो की काफी कम है दिव्यांग और विधवाओं के लिए न्यूनतम 3000 दिया जाना चाहिए जल्द ही पूरे भारतवर्ष में अखिल भारतीय विधवा दिव्यांग महिला सुरक्षा सेनाट्रस्ट की ओर से ज्ञापन के माध्यम से मांग की जाएगी।

संसद की गरिमा पर दाग चिंताजनक : डॉ लक्ष्मी

फतुहा । भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर को लेकर संसद में दृश्य पिछले कुछ दिनों में देखने को मिले हैं वे न केवल शर्मसार करने वाले हैं बल्कि संसदीय गरिमा को धुंधलाने लाने वाले हैं। अंबेडकर को लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन हुआ इस दौरान हत्था- पाई में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। संसद की मर्यादा को तार-तार करने वाली घटनाएं कटुता देश हित में नहीं है। पक्ष विपक्षी के बीच बढ़ती शत्रुता लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक है। दोनों पक्षों के बीच शत्रु भाव का कोई औचित्य नहीं बनता और जिनका मकसद लोगों को गुमराह करना है। बीते कुछ समय से तो बवंडर खड़ा किया जा रहा है की संविधान खतरे में है ।वह राजनीति के पिछले स्तर ही परिचायक है। कोई बताएं तो संविधान कब और कैसे खतरे में आ गया ,संसद में ऐसे विषयों को लेकर सार्थक और सौहार्द्रपूर्ण संवाद हो, वाद विवाद की जगह कटुता ना हो। विमर्श की गंभीरता से ही लोकतंत्र की शक्ति बढ़ेगी। संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर को लेकर संसद में जो दृश्य देखने को मिले हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को नियम का पालन करना पड़ेगा। संसद की मर्यादा और गरिमा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय संसद के प्रांगण में जिस तरह की अशोभनीय एवं त्रासद स्थिति उत्पन्न हुई है वह हर लिहाज से दुखद है। विडंबना पूर्ण और निंदनीय है। आरोप और प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है कि मानो सत्ता पर विपक्ष के बीच युद्ध, शत्रुता, द्वेष, नफरत की स्थितियां उग्रतर हो गई है। और तो और धक्का मुक्की दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को लेकर पुलिस में मामला दर्ज होना वास्तविक दुर्भाग्य पूर्ण है। इन दुखद और आशालीन स्थितियों का उपचार न किया गया तो संसद में काफी कुछ अप्रिय अशोभनीय होने का आशंका बलशाली होगी । डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं वल्कि यह कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए । उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जबसे विपक्ष का कमान संभाले हैं उनका एक ही काम है विरोध करना। विदेश में भी जाकर विरोध करना । यदि कोई सार्वजनिक है कि आज सूर्य भगवान पूर्व से बहुत अच्छा उगे हैं , राहुल गांधी बगैर सोंचे समझे इसका भी प्रमाण मांग सकता है कि इसका भी प्रमाण मांगे । राहुल गांधी को प्रमाण देने के लिए प्रमाण कहां से लाया जाएगा। राहुल गांधी का संस्कार एक अलग ही है,जिस तरह से भाई-बहन को मंच पर देखी जाती है तो लोगों को शर्म से सिर झुक जाती है। इसका कौन क्या प्रमाण मांगे। राहुल गांधी जी विपक्ष का कुछ तो गरिमा रखें। लगता है कि राहुल गांधी कांग्रेस को विदाई करने के वाद ही राहत की सांस लेंगे ।

युवा ही करेगा देश का उत्थान : प्रेम कुमार

पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से युवा चेतना शिविर का गोविंदपुर में किया गया । शिविर को संबोधित करते हुये फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है । हम युवाओं के असीम क्षमता को समेट कर सकारात्मक दिशा में उपयोग कर विश्व के अग्रणी देशों में सुमार हो सकते है । आज के युवाओं के हाथों में डिग्रियां है मन मे कुछ कर दिखाने की हसरत है लेकिन अनिश्चितता के लकीर इनके माथे पर साफ दिखाई देता है । सरकारी तंत्र इतना सड़ चुका है कि नौकरी लगते ही काम नही करने का कसम खा लेता है और लोगो को परेशान करना मुख्य काम रह जाता है । आज का युवा इसलिए शिक्षा प्राप्त करता है ताकि उसे अच्छी नौकरी मिले जिससे कि भोगपरक जीवन जीने का आनंद उठाया जा सके इसी आनंद के तलाश में असफल होने पर वह अवैध तरीके से धन कमाने की चेष्टा करता है जो उसके जीवन मे जहर घोलता है । युवा अगर रोजगार विहीन है तो परिवार,समाज के ताने और व्यंग बाण है इससे तंग आकर युवा आत्म हत्या तक कर रहा है । राजनीतिक दलों एवं सरकारों ने युवा विकास का राग तो अलापता है लेकिन वहां सार्थकता नजर नही आता है । युवाओं को लेकर कभी किसी ने गम्भीर चिंतन नही किया न नीति आयोग ने नही सासन ने कभी युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देकर फुसलाया जाता है तो कभी रोजगार के लुभावने आंकड़े दिखाकर पुचकारा जाता है तो कभी ऋण उपलब्ध कराने की जुगनू दिखाकर फुसलाया जाता है । युवाओं को केंद्र में रख कर योजनाओं का निर्माण हो तथा युवाओं को भी अपनी मनोवर्ती में बदलाव लाने की जरूरत है । सरकारी नौकरी का मोहत्याग कर स्वरोजगार अपनाने की जरूरत है । बैंकर्स युवाओ को उदारता पूर्वक ऋण उपलब्ध कराए । आज कई युवा बटेर पालन, मधुमक्खी पालन, जैविक खाद निर्माण, मशरूम उत्पादन कर अच्छी आमदनी प्राप्त कर रहे है । मौके पर चंदन कुमार , सिद्यार्थ कश्यप, धर्मेंद कुमार, राकेश कुमार समेत काफी संख्या में युवाओं ने भाग लिया ।

स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने आज बापू सभागार, गांधी मैदान, पटना में आपदा प्रबंधन के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में 4,300 ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य समन्वयकों ने भाग लिया, जिससे सामुदायिक नेतृत्व को सशक्त बनाने और स्वास्थ्य समन्वयकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री सह अध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा निर्देश में एवं प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदयकांत की अध्यक्षता में एवं माननीय सदस्य श्री पी.एन. राय एवं श्री कौशल किशोर मिश्र के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का स्वागत सम्बोधन प्राधिकरण के सचिव मो. वारिस खान ने किया। राज्य के जिलों से आए ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य समन्वयकों को आपदा प्रत्युत्तर के लिएयह बड़ी अच्छी बात है कि आप इस संकल्प को पूरा करने में सहभागी बन रहे हैं। बिहार को आपदाओं से मुक्त रखने और सुरक्षित बनाने के लिए राज्य

» ग्रामीण स्वास्थ्य समन्वयकों की सशक्त भागीदारी: बिहार में आपदा प्रबंधन की नई पहल

सरकार लगातार सार्थक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि चाणक्य के नीतिशास्त्र में कहा गया है कि एक गांव का वैद्य या चिकित्सक परिवार का पहला सदस्य है, और सरकार की जिम्मेदारी है कि उनको हर प्रकार से सहयोग करके मजबूत किया जाए। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक व्यक्ति को उचित प्रशिक्षण मिले, पर्याप्त उपकरण और दवाइयाँ उपलब्ध हों। प्राधिकरण इसी ध्येय वाक्य पर कार्य करते हुए आप लोगों के सहयोग से बिहार में आपदा प्रबंधन की मुहिम में साथ मिलकर कार्य कर रहा है। तैयार करने एवं समाज में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रति सम्बोधन डॉ. एल. बी. सिंह, सुपरिंटेंडेंट, महावीर कैंसर संस्थान एवं शोध केंद्र, पटना द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य समन्वयकों को ग्रामीण स्तर पर लोगों से व्यावहारिक जुड़ाव, स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके

ध्यान और हितों को रखते हुए उन्हें आपदा से कैसे बचाया जाए, इस संदर्भ में संवेदीकरण किया गया। इस कार्यक्रम में 4300 ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य समन्वयकों को प्राधिकरण की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। फिल्मों के माध्यम से उन्हें प्राधिकरण के विभिन्न कार्यक्रमों यथा- मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम, सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम, सामुदायिक स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम, भूकंप रोधी घर निर्माण हेतु राज मिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिव्यांग आपदा सुरक्षा समायोजित कार्यक्रम, अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम और ग्लोबल वार्मिंग एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत समाज में आपदा प्रत्युत्तर की तैयारियों और उसके प्रभावी कार्यान्वयन के बारे में बताया गया। साथ ही इस एक दिवसीय ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य समन्वयक संवेदीकरण कार्यक्रम के माध्यम से समाज में उनकी भूमिकाओं और आपदा प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में कोरोना महामारी एवं अन्य आपदाओं के समय उत्कृष्ट कार्य करने वाले पाँच ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य समन्वयकों को पुरस्कृत भी किया गया। साथ ही विभिन्न आपदाओं से बचाव से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए छोटी-छोटी फिल्मों के माध्यम से भी संवेदीकरण किया गया। प्राधिकरण के वरीय सलाहकार डॉ. जीवन कुमार ने विभिन्न आपदाओं के बारे में क्षमतावर्धन किया। सभी उपस्थित स्वास्थ्य समन्वयकों को राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के माध्यम से सड़क दुर्घटना से बचाव, डूबने की घटना से बचाव, प्राइमरी चिकित्सा व सीपीआर देने की सही पद्धति का मॉकड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ. उदयकांत ने सभी ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य समन्वयकों को मुख्यमंत्री जी का संदेश पढ़ते हुए कहा कि जब उन्होंने मुख्यमंत्री जी को इस बड़े आयोजन की जानकारी दी, तो उन्होंने पूछा, आपकी नजर में भगवान कौन होते हैं, मैंने उत्तर दिया माँ, पिता, और गुरु होते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा, 'आपका कहना सही है, पर चौथा नाम जोड़ लें- वे डॉक्टर भगवान होते हैं। आप सभी को मैं और माननीय मुख्यमंत्री जी नमन करते हैं। डॉ. उदयकांत ने कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजन से उन्हें बहुत खुशी हुई है। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य समर्थकों के लिए एक दिवसीय राज्य स्तरीय संवेदीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है। मुख्यमंत्री जी का संकल्प शुरू से ही स्पष्ट है - राज्य के आपदा पीड़ितों की हर प्रकार से सुरक्षा की जाए। कार्यक्रम में सदस्य श्री डॉ. पी.एन. राय ने उपस्थित स्वास्थ्य समन्वयकों को विभिन्न आपदाओं से कैसे बचना है और समाज में अपने दायित्वों के निर्वहन करते हुए लोगों को कैसे बचाना है इस संदर्भ में क्षमतावर्धन करते हुए कहा कि आपदा के समय में आपकी जागरूकता और क्षमता वर्धन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप सभी को जागरूक और प्रशिक्षित करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सड़क दुर्घटना, शीतलहर, वज्रपात, लू, डूबने की घटना इन सभी आपदाओं में स्वास्थ्य समन्वयकों की भागीदारी एवं जागरूकता पर उन्होंने संवेदीकरण किया। डॉ. एल. बी. सिंह ने भी अपने वक्तव्य में 2005 के पहले और बाद के बिहार की तुलना करते हुए कहा, नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में राज्य ने प्रगति की राह पर कदम बढ़ाए हैं। नीतीश कुमार जी ने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए कई कदम उठाए।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और जयन्त चौधरी की उपस्थिति में किसान ट्रस्ट द्वारा चौधरी चरण सिंह पुरस्कारों का पहला संस्करण प्रस्तुत किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत के पांचवें प्रधानमंत्री, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की स्थायी विरासत का जश्न मनाते हुए, चौधरी चरण सिंह पुरस्कारों का पहला संस्करण नई दिल्ली में एक भव्य समारोह में प्रस्तुत किया गया। किसान ट्रस्ट द्वारा स्थापित, ये पुरस्कार उन व्यक्तियों को मान्यता देते हैं जिन्होंने ग्रामीण विकास, कृषि और सामाजिक कल्याण-क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जो चौधरी चरण सिंह के दिल के करीब थे। कल शाम आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार और श्री जयन्त चौधरी, माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपस्थित थे। भारत के माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और कहाः "चौधरी चरण सिंह जी की विरासत भारत के किसानों और ग्रामीण समुदायों के उत्थान के लिए अथक प्रयास करने वालों को प्रेरित करती रहती है। चारों पुरस्कार विजेताओं ने किसानों के कल्याण के लिए कम्युनिटी समर्पण में उच्चतम मानक स्थापित किए हैं। हमारी जीडीपी में खेती का सबसे

बड़ा योगदान है, किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं।" श्री प्रधान ने ओडिशा में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता राजेंद्र सिंह जी के जल संरक्षण में परिवर्तनकारी कार्यों को भी याद किया। उन्होंने इस बात की भी जानकारी दी कि सरकार मार्केट, प्रोडक्शन, एग्रीकल्चर इंटेलिजेंस और क्रॉप गाइडेंस के बीच मजबूत संबंध बनाने के लिए आईआईटी रोपड़ के सहयोग से कृषि में एआई सहित सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित कर रही है, जिसमें दिखाया जाएगा कि किसानों के कल्याण को और बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का लाभ कैसे उठाया जा सकता है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने कहा, "भारत सरकार की वर्तमान नीतियां स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के विज़न को दर्शाती हैं। खरीद मूल्य, किसानों के लिए ऋण राहत, भूमि सुधार और भूमिहीन लोगों के उत्थान पर उनका विजन आज भी प्रासंगिक है। सभी चार पुरस्कार विजेताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में अत्यधिक समर्पण और दृढ़ता दिखाई है।" इस उद्घाटन संस्करण के पुरस्कार विजेता थेः • डॉ. राजेंद्र सिंह, जिन्हें भारत के वाटरमैन के रूप में जाना जाता है, जिन्हें जल संरक्षण में उनके अग्रणी प्रयासों के लिए सेवा रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। • डॉ. फ़िरोज़ हुसैन, एक प्रख्यात मक्का वैज्ञानिक, जिन्हें कृषि में उनके अभूतपूर्व रिसर्स के लिए कृषक उत्थान पुरस्कार मिला। • श्री प्रीतम सिंह, एक अनुकरणीय किसान, जिन्हें सस्टेनेबल फार्मिंग प्रैक्टिसेज में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए किसान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। • सुश्री नीरजा चौधरी, एक प्रख्यात पत्रकार, जिन्हें 2024 के आम चुनाव कवरेज के दौरान पत्रकारिता में उनके असाधारण काम के लिए प्रतिष्ठित कलाम रत्न पुरस्कार मिला। पुरस्कार समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लीडर्स से बनी एक प्रतिष्ठित जूरी शामिल थीं, जिसमें डॉ. यशवीर सिंह (अध्यक्ष, किसान ट्रस्ट), डॉ. ए.के. सिंह (रिटायर्ड डायरेक्टर, इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट), प्रो. तारिक मंसूर (वाइस-चांसलर, एएमयू), श्रीमती सोनिया सिंह (वरिष्ठ पत्रकार) और श्री प्रवीण जैन (सीनियर फोटो-जर्नलिस्ट) शामिल थे, जिन्होंने पुरस्कार विजेताओं की चयन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और किसान ट्रस्ट की ट्रस्टी चारू सिंह भी मौजूद थीं।

सीमांत क्षेत्र के युवाओं को प्रशिक्षित कर स्व-रोजगार को बढ़ावा दे रहे सशस्त्र सीमा बल के जवान : शाह

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सशस्त्र सीमा बल के 61वें स्थापना दिवस परेड के अवसर पर पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस मौके पर अपने संबोधन में शाह ने स्पष्ट किया कि, 'एसएसबी के जवान सीमांत क्षेत्र के युवाओं को मधुमक्खी पालन, कंप्यूटर ट्रेनिंग, मोबाइल रिपेयरिंग और मोटर ड्राइविंग जैसे कई प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार के लिए तैयार कर रहे हैं।' इस मौके पर शाह ने देश की सीमा की रक्षा और पूर्वी क्षेत्र से नक्सलवाद को समाप्त करने के अभियान में अपने जान की बाजी लगा देने वाले बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि भी दी। अब तक सशस्त्र सीमा बल को 4 पद्मश्री, 1 कीर्ति चक्र, 6 शौर्य चक्र, 2 राष्ट्रपति वीरता पदक, 25 पुलिस वीरता पदक और 35 वीरता पदक मिले हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सशस्त्र सीमा बल ने भारत के सीमांत गाँवों की संस्कृति, भाषा और समृद्ध विरासत को देश की मुख्यधारा से जोड़ने का अद्वितीय कार्य किया है। साथ ही,

सशस्त्र सीमा बल ने सेवा सुरक्षा और बंधुत्व के नारे को चरितार्थ करने और राष्ट्र सेवा, देशभक्ति और राष्ट्र प्रथम की भावना को उजागर करने का काम किया है। जवानों ने सीमा से नारकोटिक्स, मानव तस्करी, हथियारों की आवाजाही और देशविरोधी तत्त्वों की घुसपैठ पर भी लगाम लगाने का अभूतपूर्व काम किया है। बीते पाँच वर्षों में जब से अमित शाह ने गृह मंत्री का पदभार संभाला है, तब से सीमाओं को तो सुरक्षित किया ही गया है, साथ में देश के विकास में नासूर बन चुके नक्सलवाद का भी तेजी से खात्मा किया जा रहा है। आज अमृतकाल में बिहार और झारखंड जैसे राज्य नक्सलमुक्त हो चुके हैं। शाह की नीतियों के तहत सशस्त्र सीमा बल को भी सशक्त किया जा रहा है, नतीजतन एसएसबी भारत और नेपाल की मैत्री संधि की मर्यादा का सम्मान करते हुए नो मैंस लैंड में 1,100 से ज्यादा अतिक्रमण को हटाने में सफल रहा।

सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना : सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान के अध्यक्ष संजय गुप्ता, संस्थान के संरक्षक डा. सहजानन्द (राष्ट्रीय अध्यक्ष IMA), प्रख्यात चिकित्सक डा. एच. एन. दीवाकर, अवकाश प्राप्त आई. ए. एस. अधिकारी श्री उदय सिहं, आयोजन समिति के पदाधिकारी श्री दीपक कुमार अग्रवाल, श्री मुकेश हिसारिया का संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में दिया गया वक्तव्य । सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान के तत्वाधान में आगामी दिनांक 5 जनवरी 2025 को बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री व पूर्व राज्यसभा सांसद श्रद्धेय सुशील कुमार मोदी जी की जयंती समारोह का आयोजन पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में किया जा रहा है। सुशील जी की पुण्य स्मृति में आयोजित जयंती समारोह के साथ ही सात दिनों तक चलने वाले सेवा सप्ताह कार्यक्रम का भी शुभारंभ हो जाएगा। प्रदेश के सभी जिलों में 6 जनवरी से 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जी के जयंती तक रक्तदान शिविर, स्कूली बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण, वृक्षारोपण, अस्पतालों में स्वछता व फल वितरण, चिकित्सा जाँच एवं आयुष्मान कार्ड शिविर, निःसहाय लोगों के बीच वस्त्र भोजन वितरण, आदि सेवा कार्य होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल जी के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में आयोजन समिति, सभी दलों के नेताओं, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के अतिविशिष्ट जनों, बुद्धिजीवियों और समाज के विभिन्न वर्ग के गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित करेगी । उक्त जानकारी देते हुए संस्थान के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता ने कहा कि बिहार के पुनर्निर्माण के नायक एवं राजनीति के शिखर

पुरुष सुशील जी सार्वजनिक जीवन में सादगी, सदाचार, शुचिता व कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक पुरुष थे जिनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र एवं समाज की सेवा में समर्पित रहा। अनुभवी राजनीतिज्ञ, संगठनकर्ता एवं कुशल प्रशासक से आगे बढ़कर सुशील जी बिहार के पुनर्निमाण के प्रणेता थे, जिन्होंने मरणासन्न स्थिति में पहुंच चुके बिहार की अर्थव्यवस्था में नवप्राण फूंकने का काम किया और आजीवन बिहार की प्रगति एवं विकास के लिए संघर्षरत रहे। विशेषरूप से बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल प्रदेश के विकास के लिए एक स्वर्णिम काल रहा जिसने पुनः एक बार बिहारी अस्मिता को जागृत करने का काम किया। समसामयिक सामाजिक एवं राजनीतिक घटनाक्रमों पर सूक्ष्म दृष्टि रखने वाले सुशील जी ने सांगठनिक व्यस्तताओं के बावजूद स्वयं को पार्टी के प्रमुख बौद्धिक स्तंभ के रूप में स्थापित किया और सदन एवं सदन के बाहर लगातार राष्ट्रवादी विचारधारा की प्रखर आवाज़ बने रहे। संस्थान के संरक्षक डा. सहजानन्द एवं डा. एच.एन. दीवाकर ने कहा कि राजनीति आज के समय में व्यवसाय हो गया है। सुशील मोदी राजनीतिक सक्रियता के बावजूद भी निरंतर निस्वार्थ भाव से समाज सेवा में लगे रहे और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने की दिशा में काम करते रहे। सामान्य तौर पर सुशील जी की पहचान मुख्य रूप से एक राजनीतिक कार्यकर्ता की रही परन्तु अधिकांश लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं कि सुशील जी सामाजिक कार्यों में भी अत्यधिक सक्रिय थे। देह दान, अंग दान एवं नेत्रदान जैसे मानवीय महत्व के विषयों के प्रति आमलोगों में जागरूकता पैदा करना एवं उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करने में उनकी अग्रणी भूमिका रही। इसके अतिरिक्त ब्लड बैंक की स्थापना एवं कोरोना की भीषण महामारी के समय कोरोना पीड़ितों एवं उनके परिवारों की सहायता करने जैसे अनेक सामाजिक कार्यों में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा। संवाददाता सम्मेलन में सेवा सप्ताह कार्यक्रम के बारे में बताते हुए संस्थान के श्री दीपक अग्रवाल, श्री मुकेश हिसारिया, श्री संजीव यादव, श्री नीरज पटेल एवं श्री प्रहलाद कुशवाहा ने बताया कि सुशील जी का संपूर्ण जीवन समाज के प्रति समर्पित था।

पूर्वांचल के लोगों की तुलना रोहिंग्या और बांग्लादेशियों से कर पूर्वांचल के लोगों का किया अपमान : सम्राट चौधरी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। इतिहास साक्षी है कि पूर्वांचल के लोगों का जितना सम्मान भारतीय जनता पार्टी ने किया है, उतना किसी अन्य राजनीतिक दल ने नहीं किया है।

आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पूर्वांचल के लोगों के साथ अन्याय करने के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने हर मौके पर पूर्वांचल के लोगों का शोषण करने का प्रयास किया है।

कोरोना के समय केजरीवाल और आम आदमी पार्टी ने पूर्वांचल के लोगों को दिल्ली छोड़कर जाने के किए मजबूर किया। ये लोग तो पूर्वांचल के लोगों को 'गंदगी फैलाने' वाले कहते हैं।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के पैरों तले जमीन खिसक गई है, इस लिए ये लोग अब पूर्वांचल के लोगों का इस्तेमाल वोट बैंक के रूप में करना चाहते हैं।

पूर्वांचल की समझदार जनता यह जानती है कि अरविंद केजरीवाल वोट लेने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, क्योंकि उन्हें पता चल चुका है कि दिल्ली में उनकी हार निश्चित है। पूर्वांचल और दिल्ली के लोग इस बार केजरीवाल के बहकावे में नहीं आने वाले।

कोरोना महामारी के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी सरकार ने बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए इलाज की तक कोई व्यवस्था नहीं की थी, इसलिए उन्हें वापस बिहार और उत्तरप्रदेश जाने को मजबूर होना पड़ा।

10-12 वर्षों से दिल्ली की सरकार में रहकर भी आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल के लोगों के लिए कोई कार्य नहीं किया। पूर्वांचल के लोगों को इनसे सावधान रहने की जरूरत है और अब इन लोगों को जवाब देने का समय आ गया है।

दिल्ली में महिलाओं के लिए दो बड़ी घोषणाएं की गईं लेकिन यह घोषणाएं महिला मुख्यमंत्री की जगह पार्टी ने अन्य नेता ने की, यह महिलाओं का अपमान है।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा पूर्वांचल के लोगों को बांग्लादेशियों और रोहिंग्या से जोड़ने की जमकर आलोचना की। सम्राट चौधरी ने कहा कि 10-12 वर्षों से दिल्ली की सरकार में रहकर भी आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल के लोगों के लिए कोई कार्य नहीं किया। पूर्वांचल के लोगों को इनसे सावधान रहने की जरूरत है और अब इन लोगों को जवाब देने का समय आ गया है। भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने कहा कि कुछ दिनों से दिल्ली के एक वरिष्ठ नेता बार-बार पूर्वांचल को लेकर दिल्ली में लोगों को भ्रमित करने का कार्य कर रहे हैं। दिल्ली कि जनता स्पष्ट तौर पर जानती है कि दिल्ली के विकास के लिए कौन कार्य कर रहा है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृव में लगातार भारत और दिल्ली का विकास हो रहा है। दिल्ली जैसे प्रदेश में जहां नाली और पानी जैसी मूलभूत समस्याएं हैं, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री इन मुद्दों पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। श्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जब कोरोना जैसी महामारी इस दुनिया मे आई तो दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कहा था कि जो लोग बिहार और उत्तर प्रदेश के हैं वो वापस लौट जाएं, उनके इलाज तक की कोई व्यवस्था नहीं की गई, उन्हें मजबूरन बिहार और उत्तरप्रदेश जाने को मजबूर होना पड़ा। आज पूर्वांचल के लोगों को रोहिंग्या और बांग्लादेशियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्हें पता होना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का जन्म बिहार में हुआ और आगे चलकर वो देश की राजनीति में आए और हिमाचल का प्रतिनिधित्व किया। वो जिस बिहार में जन्में, उस पूर्वांचल के लोगों के विकास, सम्मान और उनकी समृद्धि के लिए लगातार श्री नड्डा जी कार्य करते रहे। दिल्ली में इंडी गठबंधन के लोगों को न विकास से मतलब है, न लोगों की शिक्षा से मतलब है और न ही रोजगार से मतलब है। चौधरी ने कहा कि आज दिल्ली में रहे पूर्वांचल के लोगों को इन लोगों से सावधान रहने की जरूरत है और अब इन लोगों को जवाब देने का समय आ गया है। 10-12 वर्षों से दिल्ली की सरकार में रहकर भी इन लोगों ने दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल के लोगों के लिए कोई कार्य नहीं किया, इसलिए पूर्वांचल के लोग 2025 के चुनाव में पूर्ण रूप से दिल्ली में बैठी सरकार को जवाब दें। अपने आप को पढ़ा लिखा वर्ग मानने वाले यह लोग महिलाओं का अपमान करते हैं। दिल्ली में महिलाओं के लिए दो बड़ी घोषणाएं की गईं लेकिन यह घोषणाएं मुख्यमंत्री ने नहीं कि बल्कि पार्टी के अन्य नेता ने कीं, यह महिलाओं का अपमान है। महिला शक्ति को आगे बढ़ाने का कार्य केवल देश के आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मंबई से भाग कर दानापुर पहुंचे नाबालिग प्रेमी जोड़े को दानापुर के जीआरपी पुलिस ने बरामद किया है

दानापुर। दानापुर जीआरपी ने मंबई से भाग कर दानापुर पहुंचे नाबालिग प्रेमी जोड़े को बरामद किया है। जीआरपी ने इसकी सूचना मुंबई के अंधेरी पुलिस को दी ।इसके बाद दोनों को अपने साथ ले जाने के लिए दानापुर पहुंची है। मुंबई अंधेरी डीएन नगर थाना के सब इन्पेक्टर महेश ने बताया कि दोनों प्रेमी जोड़े एक ही स्कूल में पढ़ते है। लड़की यूपी की रहने वाली है ,जब कि लड़का बिहार का रहने वाला है। लड़की के घर वाले से स्थानीय थाने में पुत्री का अपहरण कर लेने का मामला दर्ज कराया था। दोनों लोक मान्य तिलक 15647 डाउन ट्रेन से दानापुर पहुंचे है जिन्हे जीआरपी ने बरामद कर लिया है। अब उन्हे मुंबई सकुशल ले जा रहे है।

एल्युमिनाई मीट में एक दूसरे मिलकर की पुरानी यादें ताजा

पटना। जब स्कूल के समय के दोस्तों का मिलन होता है तो पुरानी यादें ताजा हो जाती है। कुछ इसी तरह का नजारा उस समय दिखा जब राजधानी के दीघा स्थित डॉन बॉस्को एकेडमी में रविवार शाम एल्युमिनाई मीट का आयोजन किया गया। इसकाआयोजन डॉन बॉस्को एकेडमी ऐल्यूमिनाई एसोसिएशन ने किया। इस कार्यक्रम में स्कूल के 1982 बैच से लेकर साल 2020 बैच के छात्रों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्कूल के डायरेक्टर एजी डी राजोरिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमें आपार खुशी तक होती है जब हमारे स्कूल से पढ़े बच्चे किसी अच्छे जगह पर नौकरी कर देश सेवा कर रहे होते हैं। उन्होंने इस एल्युमिनाई में शामिल छात्र- छात्राओं के स्कूल के दिनों की कहानियों को बताकर उनके कार्यो की सराहना की। सम्मेलन में स्कूल के ही पूर्ववर्ती छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में लकी ड्रॉ, हाऊजी, डीजे और रॉक बैंड पर वहा उपस्थित सभी छात्रों और शिक्षकों ने खूब मस्ती की। इतने सालों बाद एक दूसरे से मिलना शिक्षकों एवं छात्रों के लिए एक भावुक पल था। एसोसिएशन द्वारा हर वर्ष ऐसे सम्मेलन करने का उद्देश्य सुनिश्चित किया गया जिसमें पुराने दोस्त आपस में मिल सकें और अपने पर्सनल एवं प्रोफेशनल रिलेशन को और मजबूत कर एक दूसरे की मदद कर सकें। इस मौके पर एल्युमिनाई एसोशिएशन की अध्यक्ष व प्राचार्या मैरी अलफोंजा, उपाध्यक्ष एरिक डी रजोरियो व एंथोनी डी रजोरियो, सचिव विकास कुमार,संयुक्त सचिव रिपुल मलहोत्रा व सेतु सिन्हा, कोषाध्यक्ष विलीत केसरी, संयुक्त कोषाध्यक्ष पियुश बागेरिया, संयोजक काजल सिंह,सह संयोजक तनया आनंद, इवेंट कॉडिनेटर डॉ अभिषेक तिवारी,व रोहन मेहरोत्रा, अक्षय आनंद, आयुष अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में एल्युमिनाई मौजूद थे।

डायट रामबाग, मुजफ्फरपुर के द्वारा निर्मित डिजिटल कोर्स "प्रारंभिक पठन 1" दीक्षा ऐप पर हुआ लॉन्च

मुजफ्फरपुर। जिला शैक्षणिक सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद पटना के निर्देशानुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) रामबाग मुजफ्फरपुर के द्वारा वर्ग 1 से 5 के बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के लिए डिजिटल कोर्स प्रारंभिक पठन- 1 का शुभारंभ शनिवार को दीक्षा एप पर संस्थान की प्रभारी प्राचार्य अनामिका कुमारी, संस्थान की वरीय व्याख्याता डॉ. सरिता शर्मा, व्याख्याता डॉ. मीरा कुमारी, दिपिंती कुमारी, रोली, सुजीत कुमार, डॉ. निर्मल कुमार, राकेश सिन्हा एवं जिला तकनीकी दल के सदस्य केशव कुमार एवं पप्पू कुमार पंकज ने संयुक्त रूप से किया। डायट रामबाग, मुजफ्फरपुर की प्रभारी प्राचार्य अनामिका कुमारी ने कहा कि डिजिटल कोर्स प्रारंभिक पठन 1 मुजफ्फरपुर जिले की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए दीक्षा टीम के सदस्य व्याख्याता सह कोर्स क्रिएटर सुजीत कुमार, व्याख्याता सह कोर्स रिव्यूवर दिपिंती कुमारी, व्याख्याता सह कोर्स मेंटर मीरा कुमारी, इ कंटेंट निर्माण में जिले के मुरौल प्रखण्ड स्थित बुनियादी विद्यालय के शिक्षक केशव कुमार, प्राथमिक विद्यालय धर्मागतपुर की शिक्षिका अंजली कुमारी, मोतीपुर प्रखण्ड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय थतिया के शिक्षक पप्पू कुमार पंकज, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरियारपुर की शिक्षिका निवेदिता रानी, बंदरा प्रखण्ड स्थित प्राथमिक विद्यालय मोहनपुर के शिक्षक नवीन कुमार, ह्यूमना पीपल टू पीपल के जिला समन्वयक धीरज कुमार शर्मा एवं आईपीईएल के जिला प्रतिनिधि राहेला प्रवीन का सराहनीय योगदान रहा है। जिला तकनीकी दल के सदस्य मुरौल प्रखंड स्थित बुनियादी विद्यालय बखरी के शिक्षक केशव कुमार ने कहा कि दीक्षा एप पर लॉन्च प्रारंभिक पठन 1 डिजिटल कोर्स के माध्यम से प्राथमिक कक्षा के बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षक एवं शिक्षिका वर्ण की पहचान, मात्राओं की समझ एवं शब्द निर्माण की बारीकियों को बेहतर ढंग से समझ पायेंगे। इस डिजिटल कोर्स को दीक्षा ऐप पर जिले के शिक्षक एवं शिक्षिका 15 जनवरी तक पूर्ण करना अनिवार्य है। जिला तकनीकी दल के सदस्य मोतीपुर प्रखण्ड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय थतिया के शिक्षक पप्पू कुमार पंकज ने कहा कि इस कोर्स को अधिकतम तीन प्रयास में 70 प्रतिशत अंकों के साथ पूर्ण करने के उपरांत ही शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को डायट रामबाग मुजफ्फरपुर की प्रभारी प्राचार्य अनामिका कुमारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी मुजफ्फरपुर अजय कुमार सिंह के संयुक्त हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र दीक्षा एप पर दिया जाएगा। दीक्षा ऐप पर इस डिजिटल कोर्स प्रारंभिक पठन 1 को पूर्ण करने में यदि जिले के किसी भी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को यदि किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या उत्पन्न होगी तो वे सर्वप्रथम अपने-अपने प्रखंड के प्रखंड तकनीकी दल के सदस्यों से एवं विशेष परिस्थिति में जिला तकनीकी दल के सदस्य केशव कुमार के व्हाट्सएप नंबर 8969900475 एवं पप्पू कुमार पंकज के व्हाट्सएप नंबर 8709472011 पर संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर में हिन्दी के विकास हेतु नागालैंड में की गयी साहित्य सम्मेलन की स्थापना

नई सोच एक्सप्रेस

» बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ की उपस्थिति में हुआ कार्यसमिति का गठन

पटना। पूर्वोत्तर में हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास के लिए नागालैंड में हिन्दी साहित्य सम्मेलन की स्थापना की गयी है। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ की प्रेरणा से, उनकी उपस्थिति में शनिवार की संध्या दीमापुर के संतोषी माता मंदिर के प्रांगण में आयोजित स्थानीय हिन्दी सेवियों और हिन्दी-प्रेमियों की एक सभा में, विधिवत इसकी स्थापना का निर्णय लिया गया तथा नगर के वरिष्ठ और प्रतिष्ठित हिन्दी-आचार्य रुद्रनाथ ठाकुर की अध्यक्षता में २१ सदस्यीय कार्य समिति का गठन किया गया। लोकप्रिय शिक्षक और समाजसेवी सुमन कुमार मोदी को नवगठित संस्था का प्रधानमंत्री बनाया गया है। सभा के आरम्भ में, मंदिर के प्रधान-पुरोहित पण्डित पंकज शास्त्री ने सभा में उपस्थित गण्य-मान्य व्यक्तियों की ओर से डा सुलभ का उत्साहपूर्वक अभिनन्दन किया । नगर के सुप्रसिद्ध समाजसेवी और हिन्दी-प्रेमी राम सुदीश भगत ने डा सुलभ और बिहार और उत्तरप्रदेश से पधारे वरिष्ठ कवियों और कवयित्रियों प्रो शशि कुमार सिंह 'प्रेमदेव', प्रदीप भट्ट, अनीता प्रसाद और अमीना खातून को अंग-वस्त्रम प्रदान कर स्वागत किया। अपने संबोधन में डा सुलभ ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के संग्राम में तब के अमर बलिदानियों ने संपूर्ण भारतवर्ष में एक भाषा न होने का जो अभाव अनुभव किया था और जिसे आंदोलान की सबसे बड़ी बाधा मानी गयी थी, भारत की एकता और ऊन्नति की दिशा में आज हो रहे प्रयासों में भी वही बाधा सामने आ रही है। यह दुर्भाग्य है कि स्वतंत्रता के ७५ वर्ष व्यतीत हो जाने पर भी भारत की कोई एक राष्ट्रभाषा नही बनायी जा सकी है। उपस्थित प्रबुद्ध व्यक्तियों ने हर्ष के साथ डा सुलभ के विचारों और प्रस्ताव का समर्थन किया तथा सर्वसम्मति से नागालैंड हिन्दी साहित्य सम्मेलन की स्थापना का निर्णय लिया। सर्वसम्मति से नगर के वरिष्ठ हिन्दी-आचार्य रुद्रनाथ ठाकुर की अध्यक्षता में नवगठित संस्था की संस्थापक कार्यसमिति का गठन किया गया। लोकप्रिय शिक्षक और समाजसेवी सुमन कुमार मोदी को सम्मेलन का प्रधानमंत्री चुना गया। पण्डित उमाशंकर तिवारी उर्फ़ पंकज शास्त्री तथा दिनेश कुमार चौधरी को उपाध्यक्ष, वरिष्ठ हिन्दी आचार्य अजीत कुमार झा को साहित्यमंत्री, राम सुधीश भगत को अर्थमंत्री, नंद किशोर ठाकुर को प्रबंधमंत्री, संतोष सिंह को प्रचार मंत्री तथा सिमी सिंह को कलामंत्री बनाया गया है। वरिष्ठ हिन्दी आचार्य राधे श्याम मिश्र, किरण देवी, विकास मिश्र, अमरजीत गुप्ता, प्रिया कुमारी, रूपा कुमारी गुप्ता, अंजलि दास, चंदन कुमार गुप्ता, दीपक कुमार शर्मा, प्रशांत कुमार सिंह, राज जायसवाल तथा दिलीप कुमार को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में स्थान प्राप्त हुआ। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि, अगले वर्ष सम्मेलन का अधिवेशन आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रांत के सभी ज़िलों से हिन्दी-सेवी और हिन्दी-प्रेमियों के साथ देश के मनीषी साहित्यकारों को आमंत्रित किया जाएगा और हिन्दी-सेवी सम्मानित किए जाएँगे। शीघ्र ही नागालैंड के सभी ज़िलों में ज़िला हिन्दी साहित्य सम्मेलन का भी गठन कर लिया जाएगा। नवगठित संस्था के अध्यक्ष रुद्रनाथ ठाकुर के कृतज्ञता-ज्ञापन तथा प्रधानमंत्री सुमन कुमार मोदी द्वारा सबके प्रति धन्यवाद-ज्ञापन के पश्चात सभा संपन्न हुई। सभा की समाप्ति के पश्चात डा सुलभ के सम्मान में, श्री ठाकुर के आवास पर रात्रि-भोज का आयोजन किया गया।

राइज एंड शाइन थीम पर ब्लू बेल्स अकेडमी के बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति, धूमधाम से मना 34वां वार्षिकोत्सव

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। ब्लू बेल्स अकेडमी ने रविवार को अपना 34वां वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का आयोजन शगुना मोड़ स्थित विद्यालय के परिसर में किया गया जिसमें स्कूल के सभी बच्चे शामिल हुए।कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, विशिष्ट अतिथि मुख्य पोस्टमास्टर जनरल अनिल कुमार, मत्स्य पालन विभाग बिहार सरकार के निदेशक आईएएस अभिषेक रंजन, ओआईसीएल के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक (सेवानिवृत्त) संजय किशोर एवं मंडल अभियंता दूरसंचार (सेवानिवृत्त) पंकज कुमार, स्कूल के निदेशक अमरेंद्र कुमार एवं प्राचार्य आर के जैसवाल के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने ब्लू बेल्स अकेडमी को सफलतापूर्वक 34 वर्ष पूरे करने पर अपनी ढेर सारी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह स्कूल ऐसे ही शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों का भविष्य उज्ज्वल करते रहे और उन्हें सही मार्गदर्शन देते रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के बच्चों द्वारा गणेश वंदना से की गई। इसके बाद नन्हें - मुन्हें बच्चों के स्वागत गीत और नृत्य की प्रस्तुति ने आगत अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्कूल द्वारा आयोजित इस भव्य वार्षिकोत्सव समारोह में ब्लू बेल्स अकेडमी के बच्चों ने राइज एंड शाइन थीम पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बचपन बचाओ व सबरी के बेर नाटक रहा जिसमें बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी को अपने ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों ने राधा कृष्ण, जंगल सफारी, जय जवान - जय किसान, एंजल, क्लासिकल सहित अन्य नृत्यों की प्रस्तुति दी जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। साथ ही बच्चों द्वारा किये गए भारत के विभिन्न राज्यों के नृत्य ने भी दर्शकों को खूब झुमाया। कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल के निदेशक अमरेंद्र कुमार ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि हमारे विद्यालय ने सफलतापूर्वक 34 वर्ष पूरे कर लिए। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से बच्चों का मनोबल बढ़ता है एवं उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मंच मिलता है। वहीं स्कूल के प्राचार्य आर के जैसवाल ने बताया कि इस स्कूल के माध्यम से हम बच्चों को शिक्षा, खेल, कला आदि के क्षेत्र में शशक्त बनाने का काम करते हैं। कार्यक्रम के अंत में आगत अतिथियों द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं ने अहम भूमिका निभाई।

श्री खाटू श्याम सेना का सातवां वार्षिकोत्सव धूम धाम से मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। श्री खाटू श्याम सेना का सातवां वार्षिकोत्सव धूम धाम से महाराणा प्रताप भवन परिसर में मनाया गया। परिसर में भव्य श्याम दरबार सजाया गया। श्याम की अलौकिक श्रृंगार एवं सजावट की गई। मौके पर 11 घंटे की अखंड ज्योत जलाई गई। मौके पर अध्यक्ष सचिन डालमिया ने बताया कि खाटू श्याम सेना द्वारा पटना में निःशक्त एवं बीमार गायों की सेवा हेतु गौआश्रम बनाया जाएगा। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में श्याम भक्त भजन संध्या का आनन्द उठाते रहे। सभी श्याम भक्त भजन गायक के भजनों पर झूमते रहे। प्रारम्भ में सभी पर इत्र की वर्षा की गई। फिर सामूहिक आरती में श्रद्धलुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया। संध्या में भजन संध्या का आयोजन हुआ। भजन संध्या में वाराणसी के क्रृष्ण दाधीच, कटिहार से बंटी म्यूजिकल ग्रुप, कटिहार के आदर्श दाधीच, पटना के मनीष एवं सुनील शर्मा ने अपने अपने भजनों से श्याम भक्तों को बांधे रखा। कृष्णा दाधीच ने अपने भजन "मुझे आज तेरा सहारा न होता तो दुनिया मे मेरा गुजारा ना होता" करले करुण पुकार सांवरे तेरे नैया की पतवार, दधीचि के भजनों पर श्याम भक्त झूमते रहें। इसके बाद आदर्श दधीच ने अपने भजन मेरो तो श्याम से अपनी भजन शुरू की। भजनो के बाद सैकड़ों श्याम भक्तों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव मनोज भालोटिया, सह सचिव निर्मल शर्मा, कोषाध्यक्ष सुभाष शर्मा, उपाध्यक्ष कौशल अग्रवाल एवं दीपक सरावगी एवं अन्य लगे हुए थे।

पूरे विश्व में धुमधाम से मनाया जाता है क्रिसमस

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत में हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध धर्मालम्वी के लोग रहते हैं, इसलिए भारत को धर्म निरपेक्ष देश कहा जाता है। क्रिसमस लगभग विश्व के सभी देशों में मनाया जाता है। भगौलिक दृष्टिकोण से 25 दिसम्बर का दिन वर्ष का सबसे बड़ा दिन होता है इसलिए इसे बड़ा दिन भी कहते हैं। इसाई धर्म के अनुयायियों और उसके समर्थकों द्वारा मुख्य रूप से क्रिसमस मनाया जाता है। मान्यता है कि 25 दिसम्बर की रात बारह बजे ईसा मसीह का जन्म बेथलेहम शहर स्थित एक गौशाला में हुआ था। माँ का नाम मरियम था, जो दाउद वां की थी। ईसा मसीह का नाम जन्म के समय एमानुएल था। एमानुएल का अभिप्राय मुक्ति प्रदान करने वाला होता है। इसलिए ईसा मसीह को ईश्वर ने धरती पर मुक्ति प्रदान करने वाले दूत बनाकर भेजा था। ईसा मसीह के 12 पट शिष्य थे, जिनमें से 11 शिष्य धर्म के प्रचार प्रसार के लिए अलग अलग दिशाओं में चले गये थे। एक पट शिष्य संत थॉमस समुद्री रास्ते से ईस्वी सन् 52 में भारत के दक्षिण तट पर उतरे थे, तब वहाँ चोल वंश का शासन था। वह केरल के मालाबार तट के मुजीरिश या मुचिरी नामक स्थान पर आए थे और केरल-तमिलनाडु क्षेत्र में लगभग 20 वर्ष रहे। संत थॉमस ने भारत आते ही पलायुर में पहले धर्म स्थल चर्च की स्थापना की, जिसे संत थॉमस चर्च के नाम से जाना जाता है। यह चर्च दुनिया में सबसे पुराना चर्च में शामिल है। संत थॉमस ने अपने जीवनकाल में इसके अतिरिक्त भारत में छः चर्च की स्थापना की। क्रिसमस से एक दिन पूर्व यानि 24 दिसम्बर से लोग अपने घरों के साथ-साथ धार्मिक स्थलों को सजाने लग जाते हैं। ईसा मसीह के जन्म दिन यानि 25 दिसम्बर की रात को गिरजाघरों में प्रार्थना सभा शुरू हो जाती है और इसके साथ ही शुरू हो जाता है क्रिसमस। प्रार्थना समाप्त होने पर वहां उपस्थित सभी लोग एक दूसरे को बधाई देकर अपने अपने घर लौट जाते हैं। मान्यता है कि बाइबल में यीशु को "शांति का राजकुमार" कहा गया है। यीशु हमेशा अभिवादन के रूप में कहते थे - "शांति तुम्हारे साथ हो, शांति के बिना किसी का अस्तित्व संभव नहीं है", शांति के राजकुमार यीशु का जन्म प्रेम, सेवा, सद्भाव, भाईचारा, संगीत और शांति का आह्वान है। यीशु एक असहाय बच्चे के रूप में गरीबों के बीच आश्रय पाने के लिए दिल के दरवाजे पर दस्तक देते है। क्रिसमस प्रथा पश्चिमी देशों की है और इस संबंध में कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। क्रिसमस बालक यीशु के जन्म उत्त्सव के रूप में मनाया जाता है और क्रिसमस की तैयारी के पहले मसीही जिन जिन सामग्रियों का उपयोग करते हैं, उन प्रतीक चिह्न का क्या अर्थ होता है इस संबंध में चर्च के फादर का कहना है कि सांता क्लॉउस सांता नाम के एक राजा ने बालक यीशु के अनुयायी होकर धार्मिकता को अपनाया था। वे पश्चिम देश के लूसिया प्रांत यूरोष के फादर थे जो सांता कहलाए। क्रिसमस ट्री को जीवन की निरंतरता का प्रतीक माना जाता है। इसे ईश्वर की ओर से दिए जाने वाले लंबे जीवन के आशीर्वाद के रूप में देखा जाता रहा है। स्टार बालक यीशु को भोर का तारा के रूप में जाना जाता है। यह संदेश देता है कि बालक यीशु का जन्म हुआ है। घंटियां क्रिसमस ट्री को घर के दरवाजों और अन्य जगहों पर लगायी जाती है। यह किसी भी शुभ कार्यों और शांति का प्रतीक के रूप में जाना जाता है। रिथ क्रूस पर चढ़ाने के पहले प्रभु यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट पहनाया गया था और यीशु का मजाक उड़ाया गया था। इसलिए मुकुट रीथ का प्रतीक माना जाता है। मेमना मानव द्वारा किये गए, पापों के बदले यीशु ने अपने आप को सूली पर चढ़वा लिया था, इसलिए मेमना को इसाहक और इब्राहिम की बलि के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। मोमबत्ती जलाना जिसका अर्थ होता है, यीशु संसार की ज्योति थे, जिन्होंने पाप के अंधेरों को चीर कर दूर-दूर तक प्रकाश फैलायी है। चरनी जब बालक यीशु का जन्म हुआ, तो उसकी मां मरियम ने उन्हें चरनी में लिटा दिया था। इसलिए क्रिसमस बिना चरनी के सम्पूर्ण नहीं होता है। चरनी प्रभु यीशु मसीह की याद का अनुपम और आध्यात्मिक प्रतीक है। ईसाई धर्म के विशालता के कारण इस सम्प्रदाय के लोग लगभग विश्व के हर हिस्से में रहते हैं। इसलिए क्रिसमस पूरे विश्व में धुमधाम से मनाया जाता है। सत्य, अहिंसा और मानवता के संस्थापक और प्रतीक कहलाते हैं ईसा मसीह। किदवंती यह भी है कि ईसा मसीह ने भेड़ बकरियों को चराते हुए उस समय प्रचलित अंधविश्वासों और रूढ़ियों के प्रति विरोध जाताना शुरू किया था, जिसका लोगों ने काफी विरोध किया था। उनके विरोधी ज्यादा होने के कारण उन्हें प्रसिद्धि मिलने में समय नहीं लगा। ईसा मसीह के विचारों को सुन यहूदी लोग घबरा उठे। यहूदी अज्ञानी होने के साथ-साथ अत्याचारी भी थे। वे ईसा मसीह को मूर्ख कह कर जलते भी थे लेकिन अंदर से वह ईसा मसीह से भयभीत भी रहते थे। उन्होंने ईसा मसीह का विरोध करना जोर-सोर से शुरू कर दिया था और यहूदियों ने ईसा मसीह को जान से मार डालने की योजना भी बनानी शुरू कर दी थी। ईसा मसीह को जब पता चला कि यहूदि उन्हें मारना चाहते हैं तो वे यहूदियों से कहा करते थे कि तुम मुझे आज मारोगे मै कल फिर जी उठूंगा।

सारे शास्त्रों का सार है नारायण शास्त्र : राज दीदी

नई सोच एक्सप्रेस

» अच्छे विचार, वाणी में मिठास व दूसरों के उपकार में अपने जीवन को लगाना चाहिए

पटना। नारायण रेकी परिवार की ओर से रविवार को राजधानी के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में नारी रत्न राजेश्वरी मोदी उर्फ राज दीदी का टॉक शो कार्यक्रम हुआ। नारायण रेकी परिवार की पटना प्रमुख सरिता सुरेका की 40वी मैरेज एनिवरसरी पर आयोजित कार्यक्रम में जीवन जीने के ढंग पर प्रकाश डालते हुए राज दीदी ने कहा कि इस ब्रह्मांड में सभी लोग खुश रहना चाहते हैं मगर सबका खुश रहने का तरीका अलग-अलग है। उन्होंने कहा कि सारे शास्त्रों का सार है नारायण शास्त्र जो जीवन जीने की कला को बेहतर ढंग बताता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड में दो तरह की एक ऊर्जा होती है पहली सकारात्मक ऊर्जा और दूसरी नकारात्मक ऊर्जा। सकारात्मक ऊर्जा जीवन को सत्कर्म की ओर ले जाती है और नकारात्मक ऊर्जा हमें जीवन से मूल रहस्य से दूर करती है। सकारात्मक ऊर्जा से हमें सुख समृद्धि, शांति, सेहत, खुशी आनंद, उत्साह, प्यार, आदर , सम्मान, प्रशंसा, उन्नति, प्रगति, सफलता, और आपके कार्य आसानी से होते हैं। वहीं नकरात्मक ऊर्जा से दुख, दरिद्रता, अशांति, रोग, क्लेश, पतन, कष्ट, पीड़ा, तकलीफ, डर, घबराहट, बचैनी की वजह से आपके कार्य ठीक ढंग से नहीं हो पाता है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि जिस प्रकार शक्कर से मिठास को और नमक से नमकीन को हटाया नही जा सकता उसी तरह दोनों तरह की ऊर्जा के प्रभव से बचा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य का भाग्य पेंसिल से लिखा होताहै और आपके कर्मफल के अनुसार बदलता भी है। इसलिए अच्छे विचार, वाणी में मिठास व दूसरों के उपकार में अपने जीवन को लगाना चाहिए। इसलिए हम जो कुछ भी करें वह उचित और सकारात्मक हो और उससे किसी का अहित न हो। इसके लिए जरूरी है कि लोगों को आत्म चिंतन करना होगा। उन्होंने कहा कि कभी कभी दूसरा पक्ष आपके साथ अहित भी करता है तो हमें बदले और प्रतिकार में अपना समय, धन व शांति बर्बाद न कर हमें आतमचिंतन करते हुए दूसरे पक्ष के हित की बात करनी चाहिए। दीदी ने उदाहरण देते हुए बताया कि जीवन में जिसके भी जो मां-बाप या सास ससुर हैं उनका सम्मान व आदर करते हुए उन्हें हर समय खुश रखना चाहिए। किसी की निंदा या शिकायत करने से भी कर्मफल प्रभावित होता है और पाश्चाताप से जीवन के कर्मफल बदलते हैं। मानव जीवन में झूठ, फरेबी या बेबफाई कर अपने तन, मन, धन व संबंध को प्रभावित नही करना चाहिए। इस मौके पर कई लोगों ने सत्संग परिवार के सामने अपने जीवन किये गये गलत कर्मो को बताकर फिर से अच्छे जीवन की शुरूआत की शपथ ली। इस मौके पर आयोजिा सरिता सुरेका ने बताया कि राज दी के जीवन की जीने की ढंग पर दिये संदेश से हजारो लोगों को फायदा हुआ है और इसे लाखो लोगजीवन में अपना रहे हैं। इस मौके पर धनश्री दीदी, श्याम सुरेका, आशा भूतिया, रिचा कंदोई, अंजु मित्तल, रेणु अग्रवाल, इंदु बरोलिया, रेखा कसेरा व साकेत सुरेका सहित हजारों लोगों ने राज दीदी का संदेश सुना।

जूनियर देहली स्कूल के बच्चों ने छठे वार्षिकोत्सव में दिखाई अपनी प्रतिभा

नई सोच एक्सप्रेस

खगौल। जूनियर देहली स्कूल लेखा नगर ने रविवार को अपना छठा वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का आयोजन बिहारी मिलन मैरिज हॉल में किया गया जिसमें स्कूल के सभी बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत मुख्य अतिथि विनय कुमार ठाकुर सेक्रेटरी टू कमिश्नर पटना डिवीजन, सुनील कुमार, पंडित सर्वेश्वर द्विवेदी,डी के पांडेय द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने जूनियर देहली स्कूल के सफलतापूर्वक 6 वर्ष पूरे होने पर अपनी ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने स्कूली जीवन में नैतिक मूल्य के महत्व पर आधारित अपने प्रेरक भाषण से बच्चों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा गणेश वंदना से की गई। इसके बाद स्कूल के बच्चों ने वेलकम डांस, इतनी सी हंसी, गलती से मिस्टेक, टुकुर-टुकुर, डांस रिलेटेड टू महाभारत, स्कूल चले हम आदि गीतों पर नृत्य कर सभी को मोहित कर दिया। इसके साथ ही ड्रामा और स्पीच का भी कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्कूल के बच्चों द्वारा कई हार्ट टचिंग सॉन्ग पर डांस व लघु नाटक रहा जिसे देख अन्य बच्चे जागरूक हुए। स्कूल के निदेशक अनादि किशोर प्रणामी व प्राचार्या निर्मला कुमारी ने कहा कि विद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। हमारा विद्यालय सदैव मूल्य आधारित जीवन शैली की शिक्षा पर केंद्रित रहा है। हमलोग खेल - खेल में बच्चों के बीच पढ़ाई का माहौल तैयार कर रहे हैं, हमारे यहां 3 साल के ऊपर के बच्चे की पढाई, खेल - कूद, फ्रेंडली शिक्षक सहित सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी तरह की सुविधाएं व्यवस्थित हैं ताकि कोई भी अभिभावक अपने बच्चे को लेकर किसी तरह के संशय में नहीं रहे। उन्होंने बताया कि स्कूल में नामांकन या अन्य किसी जानकारी के लिए लोग 7870832545 पर संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति, माता - पिता और अभिभावक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

देशी शराब के साथ टेम्पो जब्त,चालक समेत दो गिरफ्तार

छपरा। सारण पुलिस ने दाउदपुर थाना क्षेत्र से शराब के साथ एक टेम्पो को जब्त कर चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया । इस बात की जानकारी देते हुए सारण एसपी डॉक्टर कुमार आशीष ने बताया कि उनके निर्देशन में सारण पुलिस द्वारा जिले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दाउदपुर थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक टेम्पो से देशी शराब को खेप लायी जा रही है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दाउदपुर थाना के सामने सघन वाहन चेकिंग प्रारंभ किया गया। वाहन चेकिंग के क्रम में उक्त टेम्पो को 260 लीटर देशी शराब के साथ जब्त कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इस संदर्भ में दाउदपुर थाना कांड सं0-282/24 दर्ज किया गया है। इस कांड में संलिप्त अन्य शराब तस्करों / कारोबारियों की गिरफ्तारी हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार दोनों अभियुक्त छपरा शहर के नगर थाना अंतर्गत साढ़ा ढाला मोहल्ला निवासी राहुल कुमार चौधरी एवं करीमचक मोहल्ला निवासी मो० सनउल बताये गये हैं। छापामारी टीम में दाउदपुर थाना अध्यक्ष पु०अ०नि० नवलेश कुमार,, प्र०पु०अ०नि० अभिनन्दन कुमार एवं थाना के अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

मुख्यमंत्री को आगमन को लेकर तैयारी के जायजा लेते अधिकारी

सुगौली। मुख्यमंत्री के 24 दिसंबर प्रगति यात्रा के दौरान आगमन को लेकर बिहार पथ विकास प्राधिकरण अधिकारी शीर्षत कपिल अशोक,एसपी स्वर्ण प्रभात,एसडीएम श्वेता भारती, नगर आयुक्त सौरभ सुमन,जदयू जिलाध्यक्ष मंजू देवी,सुनील सिंह,मुखिया संघ अध्यक्ष सोनालाल सहनी सहित अन्य अधिकारियों ने प्रखंड के उतरी सुगांव पंचायत के सुगांव में कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया साथ ही सुरक्षा को लेकर विधि-व्यवस्था का भी जायजा लिया। शीर्षत कपिल अशोक ने पंचायत सरकार भवन,जीविका भवन,पोखर का जीर्णोद्धार सहित अन्य जगहों का निरीक्षण किया।उन्होंने ने अधिकारियों व मुखिया रंजीत झा को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। एसपी स्वर्ण प्रभात ने आदर्श उच्च विद्यालय फुलवरिया में बने हेली पैड का जायजा लिया।स्कूल के अगले बगल व सड़को पर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त रखने का निर्देश थानाध्यक्ष को दिया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर अधिकारियों का जायजा जोरों पर है। विधि व्यवस्था में कहीं से कोई त्रुटि न हो इसको लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिया जा रहा है। वहीं कार्यक्रम स्थल पर सीएम द्वारा पंचायत सरकार भवन सहित अन्य चीजों का उद्घाटन किया जायेगा। इस आगमन को लेकर आस-पास के लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। साथ ही जिला एसपी के दिए गए दिशा-निर्देश के अनुसार पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। वहीं पुलिस आला अधिकारी सहित विभिन्न विभाग के अधिकारियों का आना-जाना लगा हुआ है। निरीक्षण के दौरान बीडीओ नूतन किरण,थानाध्यक्ष अमित सिंह,पूर्व एम एल सी सतीश कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष रतन पटेल,सुनील भूषण, अमरेंद्र श्रीवास्तव,सुगौली प्रखंड अरविंद सिंह कुशवाहा, ब्रजेश पटेल, मोहम्मद साबिर, मनोज सर्राफ, रामाश्रय पासवान,मुखिया संघ अध्यक्ष सोनेलाल सहनी, विधान पार्षद प्रतिनिधि सुनील सिंह,पुलिस निरीक्षक अशोक पांडेय,थानाध्यक्ष अमित सिंह,मुखिया संघ उपाध्यक्ष प्रभाकर मिश्र,मुखिया अवधेश कुशवाहा,अलफाक आलम,बीपीआरओ नाजिश प्रवीण, जेएसएस प्रियरंजन सहित कई मौजूद थे।

परिवरण की रक्षा के लिए पौधा लगाना अनिवार्य

सुगौली। सब किसी को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा जरुर लगाना चाहिए जिससे पर्यावरण की रक्षा बनी रहे। उक्त बात पौधारोपण के दौरान दक्षिणी छपरा बहास पंचायत समिति रोहित तिवारी ने कहीं। उन्होंने कहा कि पंचायत के हर गांव को हरा भरा करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है कि इस क्षेत्र में पर्यावरण सुरक्षा बनी रहे। पंचायत क्षेत्र के बनकटवा शिव मंदिर परिसर में रविवार को आम का पौधा लगाकर इसकी शुरुआत की गई। पंचायत समिति सदस्य ने बताया कि इस अभियान के तहत सभी लोगों के घर जा जाकर एक पौधा दिया जा रहा है जो अपने घर के आसपास लगाकर पुत्र की तरह पालन करने का अनुरोध किया जाएगा। यह अभियान किसी सरकार के तरह से नहीं चलाई जा रही है खुद वह अपने निजी के तहत अभियान चला कर लोगों को पौधा का वितरण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुगौली प्रखंड का पहला पंचायत है जो समिति के द्वारा हर व्यक्ति के घर जाकर पौधा का वितरण की जा रही है। आने वाले समय में यह पौधा उनका फल भी देने का कार्य करेगा इसीलिए फल दायक पौधे का वितरण किया जा रहा है जिससे स्थानीय लोग अच्छे से पौधे को देखरेख कर सके।मौके पर पवन प्रसाद, त्रिगुण पाण्डेय, सचिन यादव ,ओमप्रकाश सिंह, मनी भूषण सिंह, चंद्रेश्वर सिंह, पप्पू यादव, रामविनय सिंह, तिवारी, लालसाहब सिंह ,प्रमोद सिंह , प्रदिप साह, मंजीत तिवारी सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

नाली के पानी से लोगों में आक्रोश

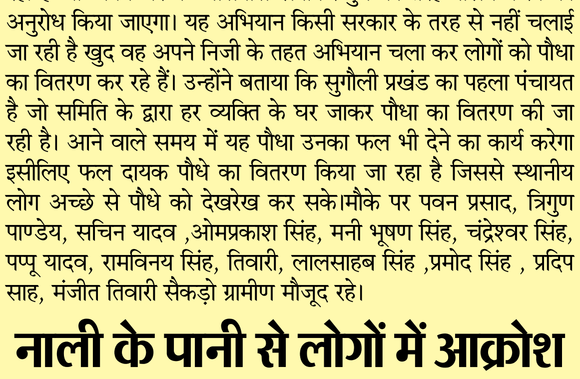

सुगौली। छपवा चौक स्थित पड़ोसी देश जाने वाली मुख्य मार्ग छपवा चौक के समीप सुगौली जाने वाली मार्ग पर जल जमाव से लोगों में आक्रोश बना हुआ है। बताया जाता है की नाली के पानी की निकासी नहीं होने के कारण नाली की पानी सड़क पर बह रहा है जिससे आसपास के दुकानदार वह आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है इसकी शिकायत कई बार जनप्रतिनिधियों से की जा चुकी है लेकिन उसके बाद भी इसकी मरम्मत साथ ही पानी निकासी का व्यवस्था नहीं की जा रही है। पूर्व प्रमुख ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि नाली का निर्माण करीब 30 वर्ष पूर्व ही कराई गई थी लेकिन उसके बाद किसी जनप्रतिनिधि द्वारा इस नाली का सफाई भी नहीं कराई गई है ना ही इस नाली का मरम्मत कराई जा रही है जिससे नाली का पानी मुख्य मार्ग पर बह रहा है साथ ही इसका पानी पूर्व प्रमुख के दरवाजा पर भी लग जा रहा है जिससे काफी परेशानी हो रही है और ये नाले की पानी बदबू देता है जैसे आस पास के दुकानदारों को भी भारी परेशानी होती है उन्होंने बताया कि इसको लेकर कई अधिकारियों जन्म प्रतिनिधियों को सूचित किया जा चुका है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है इस संबंध में 24 दिसंबर को बिहार के मुख्यमंत्री आने वाले हैं एक ज्ञापन उनको दी जाएगी।

बिनोद कुमार सिंह पटेल बने जदयू तकनीकी प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। छपरा जेडीयू तकनीकी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्रीराम चरित्र प्रसाद ने गड़खा निवासी फुलवरिया निवासी विनोद कुमार सिंह पटेल को प्रदेश महासचिव मनोनीत किया। सारण जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष विशाल सिंह राठौर, जदयू प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ सद्दाम हुसैन , जदयू तकनीकी प्रकोष्ठ के सारण जिला अध्यक्ष चांदनी कुशवाहा , जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ मेराजुद्दीन उर्फ गुड्डू खान, पवन वर्मा, अजय कुमार यादव , पैक्स अध्यक्ष राजनाथ राय,संजय राय,विजेश राय,विजय राय आदि ने विनोद कुमार सिंह पटेल को उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए कहा कि विनोद पटेल को यह जिम्मेदारी मिलने से पार्टी और मजबूत होगी तथा युवाओं को पार्टी से जोड़ने में मदद मिलेगी।

छपरा-पटना मुख्य पथ के अतिक्रमण पर चला जिला प्रशासन का बुलडोजर

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। छपरा-पटना मुख्य पथ फोरलेन के दोनों साइड किये गये अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन का बुलडोजर चला। जहां भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में फोरलेन के दोनों साइड बने झुग्गी-झोपड़ियों एवं चाय-नाश्ते की दुकानों को तोड़ा गया। जिसको लेकर अतिक्रमण कारियों में अफरा-तफरी मची रही। बता दें कि छपरा सदर प्रखण्ड स्थित मुसेपुर से लेकर खलपुरा गांव तक फोरलेन के दोनों साइड झोपड़, नाद व खूटा लगा मवेशी रख तथा गुमटी आदि बना अतिक्रमण किया गया था। वही डोरीगंज बाजार के समीप सड़क के किनारे फुटपाथ पर शेड लगाकर चाय नाश्ते की दुकान भी चलाई जा रही थी। जिसे स्थानीय प्रशासन द्वारा खाली कराया गया। बीते दिनों तटीय इलाकों में बाढ़ का पानी भरने के बाद से मवेशी पालक फोरलेन के दोनों साइड ऊंचे स्थान पर मवेशी के साथ शरण लिए थे और तब से अब तक वे लोग वहां पर झोपड़ी और मवेशी रखकर कब्जा जमाए हुए थे। वही फोरलेन के किनारे डोरीगंज बाजार के समीप चाय नाश्ते की दुकान भी खोल दी गई थी। जिसके करण दुर्घटना की संभावना ही बनी रहती थी, जिसको लेकर जिला प्रशासन के द्वारा उन्हें फोरलेन के दोनों साइड को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन उनके द्वारा अनसुनी कर दी गई थी।

जिलाधिकारी ने साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया

नई सोच एक्सप्रेस

» 67 आवेदन प्राप्त हुए, त्वरित निष्पादन का आदेश

जहानाबाद। जिलाधिकारी अलंकृता पांडेये की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन कर 67 परिवाद जिले के आमजनों के सुने गये। इसमें अतिक्रमणवाद, आवास योजना, भू-अर्जन, विद्युत, वृद्धावस्था पेंशन, आपसी विवाद, श्रम कार्ड, अनुग्रह अनुदान, राशन कार्ड सहित अन्य कार्यालयों/योजनाओं से संबंधित है। सभी संबंधित पदाधिकारियों को जनता दरबार में आए हुए सभी मामलों में विशेष रुप से ध्यान देते हुए ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा जिला स्तरीय पदाधिकारियो एवं अन्य अधीनस्थ कार्यालयों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जिला स्तर पर प्राप्त होने वाले शिकायतो का निष्पादन ससमय करें। जिससे की परिवादी को लाभ मिल सके एवं उन्हें उनके शिकायतों के निमित्त संतोषजनक जवाब प्राप्त हो सके। वैसे मामले जो लोक शिकायत निवारण अधिनियम के अंतर्गत आते हैं उन्हें सुनवाई हेतु पंजीकृत किया गया।

22 दिसंबर को यूथ आईकान निशिकांत सिन्हा के आगमन के साथ समस्तीपुर से होगी बदलाव की शुरुआत

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। दिनांक 22 दिसंबर 2024 को शहर के बायपास स्थित संध्या उत्सव पैलेस सभागार युवा उद्यमी समाजसेवी निशिकांत सिन्हा कुशवाहा के जनसंपर्क पदाधिकारी रेणुका सिंह ने सम्वाददाता सम्मेलन में निशिकान्त सिन्हा के कार्यक्रम और उद्देश्य की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि ज्ञान, विज्ञान, अनुसंधान, कृषि और कला की धरती बिहार प्रतिभा की खान है। इसके बावजूद पूरे देश में अपना यह प्रदेश अपने पिछड़ेपन के कारण सिर्फ श्रम और प्रतिभा का आपूर्तिकर्ता राज्य बन कर रह गया है। बिहार की माटी से कई कामयाब लोग निकले हैं, उद्योगपति, अफसर, नेता, अभिनेता आदि। लेकिन बहुत कम लोग अपनी माटी का कर्ज उतारने के लिए बिहार लौट कर आते हैं और यहां के लिए कुछ करना चाहते हैं। कहते हैं न की लहू को लहू पुकार ही लेता है इसी प्रकार अपने माटी की खुश्बू अपने बेटों को खींच ही लेती है। ऐसे ही लोगों में एक हैं निशिकांत सिन्हा कुशवाहा। जिनका दिल अपनी धरती बिहार केलिये धड़कता है। वे न केवल एक सफल उद्योगपति हैं, बल्कि समाज सेवा के प्रति पूरी तरह समर्पित और नयी पीढी केलिए एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं। बिहार की माटी में पले-बढ़े, श्री सिन्हा ने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है। उनका उद्देश्य है कि हर हाथ में रोजगार, हर बच्चे को शिक्षा, और हर परिवार को सम्मान दिला कर आत्मनिर्भर बिहार बनाना है। वे बिहार के नायक काशीचक प्रखंड के भट्टा गांव में जन्मे स्वतंत्रता सेनानी और सामाजिक कार्यकर्ता पिता स्व. शशिकांत महतो और दादा स्व. बिंदा महतो के विचारों से प्रभावित हैं और बचपन से ही शिक्षा, गरीबी, और बेरोजगारी के समाधान पर विचार करते रहे हैं। दिल्ली से कैरियर की शुरुआत की। पढ़ाई के दौरान एचआर जॉब कंसल्टेंसी की शुरुआत की। हजारों युवाओं को प्राइवेट और मल्टीनेशनल कंपनियों में नौकरी दिलाई। यहीं से उनकी समाज सेवा की यात्रा ने रफ्तार पकड़ी। गुजरात के बड़ोदरा को अपनी पहला कर्मभूमि बनाया। जहां से आईटी सेक्टर में अपनी सुक्ष्म सूझ और अद्भुत प्रतिभा कौशल से देश-दुनिया में बिहार का नाम रोशन किया। इन सफलताओं के बीच समाज के प्रति जिम्मेदारी को उन्होंने हमेशा प्राथमिकता दी। समाज के गरीब बच्चों को गोद लेकर उन्हें बेहतर शिक्षा दिलाई। दिल्ली और कोटा जैसे शहरों में उन्हें यूपीएससी, आईआईटख, और नीट आदि परिक्षाओं की तैयारी करवाई और वे बच्चे आज डॉक्टर, इंजीनियर, और प्रशासनिक अधिकारी बनकर नई पीढी को प्रेरणा दे रहे हैं। श्री सिन्हा ने गरीब छात्रों के लिए विशेष छात्रावास और धर्मशालाओं का निर्माण भी करवाया है। सम्राट अशोक और चंद्रगुप्त मौर्य के वंशज कुशवाहा समुदाय से आने वाले श्री निशिकांत का मानना है कि विकास में जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी मिलनी ही चाहिए। लिए वे बिहार को आत्मनिर्भर राज्य बनाने और सबको उसके हिस्से की भागीदारी दिलाने केलिए जगाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने हर जिले में जन आशीर्वाद संवाद सभा की शुरुआत की है और इस बदलाव के अभियान का शंखनाद वे 22 दिसंबर 2024 रविवार को सुबह ग्यारह बजे से पटेल मैदान समस्तीपुर से करेंगे। इसके बाद 24 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से कोशी कालेज मैदान खगडिया में जन संवाद सभा करेंगे। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, स्वावलंबी समाज और आत्मनिर्भर राज्य के विकास की नई शुरुआत है। यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, समाज के अधिकारों और बदलाव की शुरुआत है। इस आयोजन की सफलता में आप सभी मीडिया के साथियों का सहयोग अपेक्षित है।

महाकुंभ में गंगा स्नान के लिए भोजन आवास की रहेगी निशुल्क व्यवस्था : राणा यशवंत

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। आगामी महाकुंभ 2025 मेले में छपरा एवं बिहार के लोगों की सुविधाओं के लिए संगम यात्रा के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए भाजपा नेता राणा यशवंत प्रताप सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि रामजन्म सिंह सेवा समिति, छपरा के द्वारा वर्ष 2019 के कुंभ माघ मेला से अनवरत प्रयाग में कैंप का आयोजन किया गया जा रहा है। उनके कैंप में छपरा एवं बिहार के श्रद्धालु जनों के लिए भजन, भोजन, ठहरने एवं स्वास्थ्य के उत्तम प्रबंध की व्यवस्था संगम क्षेत्र में की गई है। इस बार प्रयागराज में 12 वर्ष के बाद मनाया जाने वाला महाकुंभ,जिसकी चर्चा पूरे विश्व में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा जोर-शोर से किया जा रहा हैं, इस विरासत की तैयारी में भारतवासी तन-मन-धन से लगे हैं। वही रामजन्म सिंह सेवा समिति विगत 6 वर्षों से यानी 2019 की कुंभ से 2024 ट्रायल महाकुंभ तक लगभग 5000 से अधिक श्रद्धालुओं को स्नान करा चुका है। जिसमें छपरा के ढाई हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल है। उन्होंने बताया कि विगत चार महीने से छपरा के पंचायत के गांव से लेकर शहरों के वार्डों तक लगभग 300 बैठकों के माध्यम से 5000 लोगों से जन संवाद करके 1200 लोगों का अपने निजी कार्यालय रावल टोला साधु लाल स्कूल के समीप पर निःशुल्क रूप से रजिस्ट्रेशन किया गया है। जिसमें रामजन्म सिंह सेवा समिति के शिविर प्रांगण में इन 1200 परिवारों के लोगों का भजन, भोजन, ठहरने एवं स्वास्थ्य संबंधित व्यवस्थाओं का प्रबंध किया जाएगा।यह सारी सुविधाए निःशुल्क है। मौके पर उप मुखिया मुकरेरा रोहित सिंह, अभिषेक तिवारी,मधु राजन, मुन्ना महतो, भाजपा नेत्री ममता मिश्रा, गुड्डू बाबा, मनोज साह, बुलेटिन सिंह, पप्पू सिंह,ददन गुप्ता, लाला बाबा, सरोज सिंह, विवेक गुप्ता, रविकांत सिंह, मेजर रवि कश्यप, अमरेंद्र सिंह,मनीष सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

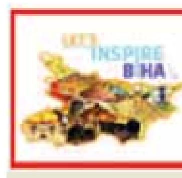

लेट्स इंस्पायर बिहार
राहुल कुमार सिंह
मुख्य कोऑर्डिनेटर, लेट्स इंस्पायर, बिहार

अपने बिहार के लिए जीवन अर्पित — विकास वैभव

आईपीएस विकास वैभव ने दिल्ली के भारत मंडपम से बिहारियों के मान सम्मान के लिए लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के माध्यम से किया शंखनाद

नई सोच एक्सप्रेस

[बिहार @ 2047 विज़न कॉन्क्लेव (सीज़न 2) का आयोजन 22 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में "लेट्स इंस्पायर बिहार" अभियान के अंतर्गत किया गया। यह अभियान आज की तिथि में 1,50,000 (डेढ लाख) से अधिक ऐसे समर्पित व्यक्तियों द्वारा संचालित सबसे बड़ा सामाजिक आंदोलन बन चुका है, जिन्होंने जाति, धर्म, लिंग या विचारधाराओं के मतभेदों से ऊपर उठकर 2047 तक एक विकसित भारत में एक विकसित बिहार के निर्माण में योगदान देने और कार्य करने के उद्देश्य से इस अभियान के साथ अपना जुड़ाव स्थापित किया है।] दिल्ली में होने वाले इस विज़न कॉन्क्लेव में,जो सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक आयोजित हुआ, देश और विदेश से 600 से अधिक बिहार आधारित उद्यमियों और स्टार्टअप्स की भागीदारी देखी गई। ये सभी अभियान के एजेंडा बिंदुओं पर विचार-विमर्श किए ताकि एक विज़न दस्तावेज तैयार किया जा सके, जिसे कॉन्क्लेव के अंत में जारी किया जाएगा। "लेट्स इंस्पायर बिहार" अभियान की शुरुआत 22 मार्च 2021 को बिहार के चर्चित आईपीएस अधिकारी विकास वैभव के आह्वान पर की गई थी। इसका उद्देश्य 2047 तक एक ऐसे समृद्ध बिहार की स्थापना हेतु योगदान करना है, जहाँ किसी भी व्यक्ति को शिक्षा, रोजगार या स्वास्थ्य सेवाओं के लिए राज्य छोड़ने की आवश्यकता नहीं होगी। शिक्षा, समता और उद्यमिता के मूल सिद्धांतों पर आधारित यह अभियान बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से प्रेरणा लेता है और जातिवाद, सांप्रदायिकता और लैंगिक भेदभाव जैसी संकीर्ण विभाजनों से ऊपर उठकर राष्ट्र के हित में कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह अभियान बिहार में उद्यमिता की एक क्रांति को प्रोत्साहित करने और हर बिहारी को शिक्षित और कुशल बनाने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण का लक्ष्य रखता है, साथ ही स्व-रोजगार, स्टार्टअप्स और व्यवसायों में कदम रखने वाले युवाओं को आवश्यक समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। 23 दिसंबर 2023 को आयोजित बिहार @ 2047 विज़न कॉन्क्लेव में, 2028 तक बिहार के प्रत्येक जिले में कम से कम 5 ऐसे स्टार्टअप्स स्थापित करने का लक्ष्य लिया गया था, जो प्रत्येक 100 से अधिक लोगों को रोजगार देने में सक्षम हों। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, 25 अगस्त 2024 को पटना के विद्यापति सभागार में एक स्टार्टअप समिट का आयोजन किया गया, और इससे सम्बंधित कई अन्य कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अभियान का संदेश बिहार के हर कोने में पहुँचाने और समाज के सभी वर्गों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, बिहार के सभी जिलों, भारत के प्रमुख शहरों और विदेशों में 1,600 से अधिक कार्यक्रम आयोजित करने के बाद, "नमस्ते बिहार - बृहत् जन संवाद" नाम से बड़े पैमाने पर मुक्ताकाश में सार्वजनिक संवाद शुरू किया गया । पहला संवाद 10 दिसंबर 2023 को बेगूसराय में आयोजित हुआ, जिसमें 50,000 से अधिक लोग शामिल हुए। दूसरा संवाद 21 जनवरी 2024 को महाराजा कॉलेज, आरा में हुआ। दिसंबर 2024 में, दो और बड़े सार्वजनिक संवाद हुए जिनमे 1 दिसंबर 2024 को फज़लगंज स्टेडियम, सासाराम (रोहतास) और 8 दिसंबर 2024 को राजेंद्र स्टेडियम, छपरा (सारण) में आयोजित हुए संवाद शामिल हैं, जिनमें क्रमशः 50,000 और 30,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। पाँचवाँ बृहद जन संवाद 9 फरवरी 2025 को हाजीपुर (वैशाली) में आयोजित होने वाला है।

22 दिसंबर 2024 को कॉन्क्लेव में निम्नलिखित प्रमुख एजेंडा बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गयाः-

- शिक्षा और मानव संसाधन के विकास के लिए विज़न 2047।
- समता आधारित समाज के विकास के लिए विज़न 2047।
- उद्यमिता और नवाचार के विकास के लिए विज़न 2047।
- जल संसाधन प्रबंधन के लिए विज़न 2047।
- स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए विज़न 2047।
- खेलों के लिए विज़न 2047।
- संचार के लिए विज़न 2047।
- परिवहन के लिए विज़न 2047।
- सूचना प्रौद्योगिकी और सक्षम सेवाओं के विकास के लिए विज़न 2047।
- उद्योग के विकास और खनिज संसाधनों के उपयोग के लिए विज़न 2047।
- कृषि के विकास के लिए विज़न 2047।
- पर्यावरण संरक्षण के लिए विज़न 2047।
- बिहारी प्रवासी की भूमिका के लिए विज़न 2047।
- पर्यटन और संस्कृति के लिए विज़न 2047।
- प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के लिए विज़न 2047।
- ऊर्जा के लिए विज़न 2047। कार्यक्रम में श्री जीतन राम मांझी, माननीय मंत्री, एमएसएमई, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कॉन्क्लेव की शोभा बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की। कॉन्क्लेव में अन्य विशिष्ट अतिथियों में श्री मनोज तिवारी, सांसद, श्री आर. के. सिन्हा, सांसद, सुश्री श्रेयसी सिंह, विधायक (जमुई), प्रसिद्ध कवि शंभु शिखर, सुप्रसिद्ध गायिका नीतू कुमारी नूतन, मौलाना कल्बे रशैद रिज़वी, डॉ. ज्वाला प्रसाद, संतोष कुमार राय, उपआयुक्त, एमसीडी, अशोक कुमार पांडेय, सेवानिवृत्त आईएएस, सचिव, लोकसभा, अतुल कुमार तिवारी, आईएएस, प्रमुख सचिव (एमएसएमई), आशुतोष अग्निहोत्री, आईपीएस, अतिरिक्त सचिव, गृह मंत्रालय, अमित वर्धन, आईआरटीएस, प्रधान कार्यकारी निदेशक, सुरक्षा, रेलवे बोर्ड और कई अन्य शामिल हुए। अब तक, 10,000 (दस हज़ार) से अधिक सफल उद्यमी इस अभियान में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत 2022 और 2023 में पटना में विभिन्न स्टार्टअप सम्मेलनों और वाइब्रेंट बिहार ग्लोबल कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। दिल्ली के एनडीएमसी ऑडिटोरियम में 2021 में बिहार एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्फ्रेंस और 2023 में बिहार विज़न @2047 कॉन्क्लेव जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। दुबई, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और वडोदरा जैसे शहरों में किए गए इसी तरह के प्रयासों ने उद्यमियों को इस अभियान से जोड़ा है। इन सम्मेलनों के माध्यम से प्रमुख उद्यमी नियमित रूप से स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। मेडिकल पेशेवरों द्वारा स्थापित जीवक अध्याय ने 250 से अधिक मुफ्त स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए हैं, जिनसे 35,000+ वंचित व्यक्तियों को लाभ हुआ है। वहीं, महिलाओं द्वारा संचालित गार्गी अध्याय बिहार के आठ जिलों में 18 मुफ्त शिक्षा केंद्र संचालित कर रहा है, जो वंचित छात्रों और महिलाओं को कौशल केंद्रों और उद्यमिता पहलों के माध्यम से सशक्त बना रहा है। मुफ्त शिक्षा केंद्र सीवान, पटना, गया, औरंगाबाद, मधुबनी, समस्तीपुर और बेगूसराय जैसे जिलों में संचालित हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्क्रीनिग नियम में हो बदलाव : दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक शोधार्थी समन्वय समिति

स्क्रीनिंग क्राइटेरिया मे बदलाव ही एक मात्र रास्ता है

दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक शोधार्थी समन्वय समिति ने स्क्रीनिंग क्राइटेरिया में बदलाव कि मांग की है। दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों के साक्षात्कार में अभी एक सीट पर चालीस और फिर सभी सीटों पर दस दस अभ्यर्थियों को बुलाने की परंपरा है।ऐसे में पहले के वर्षों में पी. एच.डी. अभ्यर्थियों को भी साक्षत्कार का मौका नहीं मिलता है। नियम में बदलाव कर सभी अभ्यर्थियों को बराबरी का मौका देने की मांग करते हैं। अभ्यर्थियों ने कहा कि सभी लोगो ने अलग-अलग समय पर एम. ए.पास किया है। अभ्यर्थियों का कहना है कि एक दौर में बी. ए. और एम. ए. का प्रतिशत आज के दौर से कम हुआ करता था। इसके कारण हम लोग वर्तमान ए. पी. आई. सिस्टम में पिछड़ रहे हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के नए नियम के कारण हम लोग साक्षात्कार तक पहुंचने में असमर्थ हों रहे हैं। यदि पुराने नियम से हों तो हम सभी साक्षात्कार का हिस्सा बन पाएंगे। सभी को मौका मिले तो अच्छी बात है। शोधार्थी और विभिन्न कॉलेज में अपनी सेवा दे चुकी पूनम कुमारी ने कहा कि स्क्रीनिंग क्राइटेरिया में न्यूनतम अर्हता को ध्यान रखा जाना चाहिए ।एक अन्य शोधार्थी और गेस्ट शिक्षक रही त्रिवेणी ने बताया कि पिछले कुछ दशकों में बी. ए., एम. ए. के अंक प्रतिशत में बहुत बदलाव आए हैं। नब्बे के दशक में साठ प्रतिशत वाला व्यक्ति विश्वविद्यालय टॉपर हो जाता था । शोधार्थी और शिक्षक रहे घनश्याम ने कहा कि आज हालात ये है कि हिंदी विषय में भी बच्चो के अस्सी प्रतिशत अंक आ रहे हैं। इन अंकों की दौड़ में पहले के लोग पिछड़ रहे हैं। उनका स्कोर बाद के स्नातक और परास्नातक लिए लोगो से बहुत कम हो जाता है। इसे केवल न्यूनतम अर्हता पर ही रियायत दे कर ही उनको मौका दिया जा सकता है। शोधार्थी या पूर्व के स्नातक लोग इस पीड़ा को दोहरे तौर पर झेल रहे हैं एक तो नंबर कम है ,ऊपर से स्क्रीनिंग कमिटी के नियम एक पर चालीस बुलाने का है। इसको पुनः निरीक्षण की जरूरत है । दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक शोधार्थी समन्वय समिति के संयोजक अनिरुद्ध सुधांशु ने कहा कि इस क्राइटेरिया खासकर चालीस वाले पर फिर से विचार कर विश्वविद्यालय प्रशासन फिर से समीक्षा करे। और सभी न्यूनतम अर्हता वाले लोगो को मौका दे।

गोदरेज के एप्लायंसेज बिजनेस ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 के लिए एआईसीटीई के साथ की साझेदारी

पटना। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एप्लायंसेज बिजनेस ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2024 के 7वें संस्करण के लिए एआईसीटीई के साथ साझेदारी की है। यह कार्यक्रम पूरे भारत के कई संस्थानों में संचालित हुआ, जहां 1,350 फाइनलिस्ट टीमों ने 254 समस्या कथनों से निपटने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए। इसमें उद्योग प्रथाओं में स्थिरता और पर्यावरण चेतना, ब्लॉकचेन, स्मार्ट ऑटोमेशन और कई अन्य जैसे विविध विषय शामिल थे। वर्चुअल समारोह के दौरान मुख्य अतिथि माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और माननीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। एआईसीटीई के उपाध्यक्ष और शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के मुख्य इनोवेशन अधिकारी डॉ. अभय जेरे और गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह के एप्लायंसेज बिजनेस में एवीपी और इनोवेशन प्रमुख (आरएंडडी) श्री संत रंजन ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ भाग लिया। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एप्लायंसेज बिजनेस में एवीपी और इनोवेशन हेड (आरएंडडी) श्री संत रंजन ने कहा, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप में, हमने हमेशा सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नवाचार की शक्ति में विश्वास किया है। एसआईएच 2024 के लिए एआईसीटीई के साथ साझेदारी करना और युवा प्रतिभागियों को सलाह देना एक शानदार अनुभव रहा है। छात्रों के नए समाधान यह विश्वास दिलाते हैं कि हम अधिक सतत और हरित भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। विजेता टीमों को मेरी हार्दिक बधाई। एआईसीटीई के उपाध्यक्ष डॉ. अभय जेरे ने कहा,एसआईएच2024 वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को हल करने में नवाचार और सहयोग की शक्ति का एक प्रमाण रहा है। गोदरेज के साथ हमारी साझेदारी इस बात का उदाहरण है कि कैसे निजी उद्यमों और सरकारी संस्थानों के बीच सहयोग अकादमिक शिक्षा और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटकर नवाचार को गति दे सकता है। साथ ही महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान भी कर सकता है। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 में 2,600 उच्च शिक्षा संस्थानों के 2,99,352 छात्र शामिल हुए। कुल 49,892 टीमों ने 254 समस्या कथनों पर काम किया और समापन समारोह का 51 नोडल केंद्रों पर सीधा प्रसारण किया गया, जिससे देश भर के दर्शकों को भारत के युवा इनोवेटर्स की रचनात्मकता और सरलता देखने का मौका मिला।

फुलवारी में 15 दिवसीय अभिनय नाट्य कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

फुलवारी शरीफ। नाट्य कला संस्था सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच ,वाल्मी फुलवारी शरीफ पटना द्वारा संस्था के सभागार में आयोजित नाट्य- कार्यशाला का उद्घाटन संस्था के सचिव- महेश चौधरी, अध्यक्ष- कामेश्वर प्रसाद, नाट्य निर्देशक- मिथिलेश कुमार पांडे, नवाब आलम वरिष्ठ रंगकर्मी जयप्रकाश मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच के सचिव महेश चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि 15 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य- कार्यशाला में छात्र/छात्राओं और नाटय कला में रुचि रखने वाले बच्चों को निःशुल्क नाट्य कला का प्रशिक्षण दिया जाएगा एवं अभिनय के विभिन्न उपयोगी आयामों से अवगत कराया जाएगा जैसे- संवाद, रूप सज्जा, वस्त्र विन्यास, अभिनय में नाटय प्रदर्शन के लिए कार्यशाला निर्देशक- मिथिलेश कुमार पांडे तथा अन्य प्रशिक्षकों में जयप्रकाश मिश्रा एवं रोहन राज के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। वरिष्ट रंगगर्मी नवाब आलम ने कहा सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच के द्वारा आयोजित यह 15 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाटक अभिनय कार्यशाला रंगमंच को बढ़ावा देने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा| अध्यक्ष कामेश्वर ने अपने वक्तव्य में कहा कि समस्त मानव जाति के कल्याण हेतु पूरी दुनिया से संवाद स्थापित करने में प्रदर्शन कला सबसे सशक्त माध्यम है। विरासत में प्राप्त लोक संस्कृति बेहतर भविष्य के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करती है। इसका संरक्षण एवं संवर्धन निरंतर जारी रखना आवश्यक है। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार आदम परवेज, जीशान आलम, हुस्ना फातिमा, जोगेंद्र केवट, अमन कुमार, रोहित राज, सुशील कुमार वर्मा, प्रकाश कुमार, प्रमोद कुमार, करण कुमार, रंजन कुमार, वीर कुमार, रिया कुमारी आदि मौजूद थे।

खेलेगा बिहार तो खिलेगा बिहार कार्यक्रम को जिलाधिकारी ने प्रोत्साहित किया

नई सोच एक्सप्रेस

» विद्यालय स्तर से ही खेल सस्कृति का विकास होना चाहिये -जिलाधिकारी

जहानाबाद। जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय को जिला शिक्षा पदाधिकारी रश्मि रेखा ने उनके कार्यालय कक्ष में मशाल 2024 के अवसर पर परस्पर सहयोग देने के लिए बिहार सरकार, शिक्षा विभाग, खेल विभाग एवं राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान से फलित होने जा रहे खेल प्रतियोगिता को लेकर शुभांकर भेंट किया। खेलेगा बिहार तो खिलेगा बिहार खेलने से खिलने तक के सफर में मशाल 2024 विद्यालय स्तर से ही खेलों के द्वारा बच्चों को पुष्पित, पल्लवित करने हेतु भूमिका निभायेगा। मशाल प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित विविध खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों को खेल की बुनियादी सुविधाएं, बेहतर खेल उपकरणों का उपयोग एवं प्रशिक्षक द्वारा उचित मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे जिले के प्रतिभावान युवा खिलाड़ियों को उभर कर सामने आने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्राप्त होगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि जहानाबाद जिले से 12 प्रशिक्षक शारीरिक शिक्षा शिक्षक/कम्प्यूटर शिक्षक को बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, खेल परिषद कंकड़बाग पटना में प्रशिक्षित किया गया। जिसमें 10 शारीरिक शिक्षा एवं 02 कम्प्यूटर शिक्षक शामिल हैं। वह अपने प्रखंडों के शारीरिक शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे ताकि प्रतिभावान खिलाड़ियों को गांव से खेल गांव तक पहुंचाया जाये। सभी खिलाड़ियों का शारीरिक प्रदर्शन प्रशिक्षण का डाटा एकत्रित कर कम्प्यूटर शिक्षक द्वारा तैयार किया जायेगा। जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि प्रशिक्षण प्राप्त सभी शिक्षक, विद्यालय स्तर से ही खेल संस्कृति का विकास करवायें तथा बच्चों में अंतर्निहित खेल प्रतिभा की पहचान करें । जिलाधिकारी ने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास, खेल संसाधनों का उपयोग करना, खेल कौशल का विकास करना, खेल के लिए अवसर का सृजन करना, खेल के क्षेत्र में प्रतिभा खोज एवं अनुसंधान करना है।

मोटर मैकेनिक की पीट-पीट कर हत्या

नई सोच एक्सप्रेस

फुलवारी शरीफ़। गौरीचक थाना क्षेत्र के बेलदारी चक खंडा पर खेत से रविवार को पुलिस ने एक व्यक्ति का शव बरामद किया है.काफी प्रयास के बाद मृतक की पहचान औरंगाबाद के हसपुरा के रहने वाले 35 वर्षीय मोटर मैकेनिक का काम करने वाले विकास कुमार पिता बंगाली चौधरी के रूप में हुई. मृतक विकास कुमार जहानाबाद अरवल मोड़ पर मोटर गैराज में काम करता था. पुलिस को परिवार के लोगों ने बताया है कि वह किसी काम से पटना अपने रिश्तेदार के यहां आया था अचानक उसकी लाश मिलने से परिवार के लोगों को कुछ समझ में नहीं आ रहा है की आखिर हत्या क्यों और किन लोगों ने कर दी. मौके पर 112 डायल पुलिस पहुंच कर छानबीन करने के बाद वापस चली गई। उसके बाद गाड़ी तक थाना पुलिस वहां पहुंचकर छानबीन में जुट गई गौरीचक थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पहचान औरंगाबाद के हसपुरा के रहने वाले बंगाली चौधरी के बेटे विकास कुमार के रूप में हुई है. वह पटना किसी काम से आया था. वह औरंगाबाद अरवल मोड़ पर मोटर मैकेनिक के गैराज में मिस्त्री है।

सिविल सर्जन ने विकसित बिहार के सर्वे कार्य का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। विकसित बिहार सर्वे कार्य का निरीक्षण में सिविल सर्जन डॉ देवेंद्र प्रसाद, डी.पी.एम मोहम्मद खालिद हुसैन एवं जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट आलोक कुमार ने क्षेत्र का भ्रमण किया। अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कसवां एवं स्वास्थ्य उप केंद्र कसई के निरीक्षण के क्रम में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कसवां को विभिन्न बिंदुओं पर निर्देश दिये गये। जिसमें मुख्य रूप से विकसित बिहार सर्वे कार्य को अधिक से अधिक लोगों द्वारा सर्वे कराया जाये, दवा की उपलब्धता, साफ सफाई, ड्यूटी रोस्टर, पैथोलॉजी जांच आदि के संबंध में भी निर्देश दिये गये। स्वास्थ्य उप केंद्र कसई में ए.एन.एम तथा आशा कार्यकर्ता द्वारा विकसित बिहार सर्वे कार्य किया जा रहा था। जिसका जाँच किया गया।ए.एन.एम और आशा को यह भी निर्देश दिया गया कि सभी प्रकार की आवश्यक दवा उपलब्धता तथा गर्भवती महिलाओं का ए.एन.सी एवं टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम पूर्ण रूप से अपने क्षेत्र में साफ सफाई भी सुनिश्चित करें। भ्रमण के क्रम में सिविल सर्जन डॉक्टर देवेंद्र प्रसाद द्वारा केंद्र पर उपस्थित सभी आशा कार्यकर्ताओं को यह निर्देश दिया कि अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक विकसित बिहार सर्वे 2047 लोगों द्वारा कराया जाये एवं आम जनों के बीच इसका प्रचार प्रसार किया जाये। इसके साथ ही दोनों स्वास्थ्य केंद्र को यह भी निर्देश दिया गया कि प्रत्येक दिन किये गये सर्वे कार्य का प्रतिवेदन अपने प्रखंड को सूचित करते हुए जिला को भी विवरण उपलब्ध कराये।

कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर काम करें कार्यकर्ता : अखिलेश

नई सोच एक्सप्रेस

» नेताओं ने कहा कि आज केंद्र में भाजपा की सरकार होने के कारण देशभर में महंगाई भ्रष्टाचार पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ी
» इतनी महंगाई के कारण गरीब लोगों के लिए एक वक्त की रोटी कमाना भी मुश्किल हो रहा
» आज लोगों को केवल कांग्रेस पार्टी में ही अपना भविष्य सुरक्षित नजर आ रहा है

पंचदेवरी। भाजपा की गलत नीतियों के कारण ही आज लोगों को केवल कांग्रेस पार्टी में ही अपना भविष्य सुरक्षित नजर आ रहा है। लोगों को पार्टी से जोड़ना कार्यकर्ताओं का काम है। कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं ताकि पार्टी के हाथ मजबूत किए जा सकें। उक्त बातें पंचदेवरी के सेमरिया में आयोजित सम्मान समारोह में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहीं । उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को तैयार रहने और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए विशेष पहल करने को कहा। जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश गर्ग ने कहा कि गांव-गांव में इस तरह की बैठक करने का एक ही मकसद कार्यकर्ताओं को संगठित करना है। ताकि भाजपा का मुकाबला किया जाए। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि आज केंद्र में भाजपा की सरकार होने के कारण देशभर में महंगाई भ्रष्टाचार पेट्रोल डीजल की कीमतें बड़ी है और आज हालत ऐसी बन गई है कि इतनी महंगाई के कारण गरीब लोगों के लिए आज एक वक्त की रोटी कमाना भी मुश्किल हो रहा है। घर के अगर पांच सदस्य हैं तो पांचों को आज काम करना पड़ेगा, तभी उनका गुजारा चल सकेगा। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, सासाराम के सांसद मनोज राम, पूर्व विधायक छत्रपति यादव, पूर्व प्रमुख धनंजय राय, कांग्रेस जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश गर्ग, मुकुल राय, सुरेंद्र पाठक, सुनील यादव, राजद जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह, अमूल्य रत्न शुक्ल योगानी, पंचदेवरी राजद अध्यक्ष संतोष यादव, राम सकल सिंह कुशवाहा, प्रमुख प्रभाकर राय उर्फ रॉकी राय, अजय राय, कटेया नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश राय आदि।

सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान में बैठे व्यक्ति तक पहुंचने का काम नीतीश सरकार का हैः- श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

बिहार शरीफ।बिहारशरीफ के सिपाह पुल के समीप नदी की उडाही एवं नदी किनारे कच्ची सड़क एवं पार्क निर्माण कराने, चकरसलपुर सिपाह एवं राणा बिगहा गांव के पानी के निकास हेतु बिहारशरीफ नगर आयुक्त एवं अनुमंडल पदाधिकारी के साथ स्थल का निरीक्षण बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने किया। सिपाह गांव स्थित पंचाने नदी क्षेत्र में ग्रीन सिटी निर्माण को लेकर अधिकारियों को योजना तैयार करने का निर्देश दिया। मंत्री श्री कुमार ने कहा कि पंचाने नदी के किनारे ग्रीन सिटी निर्माण को लेकर कई प्रकार के कदम उठाये जा सकते है जिसमें सड़क निर्माण का काम, जलाशय निर्माण, मत्स्य पालन, खेल मैदान, बच्चों के एक्टिवीटि के लिए, छोटे-छोटे पार्क निर्माण का कार्य किया जा सकता है। स्मार्ट सिटी के अंदर यह सभी कार्य हो सकता है। इसके सौंदर्यीकरण करने से शहरवासियों को काफी लाभ मिलेगा। जलाशय बन जाने से पानी का लेयर बना रहेगा। कृषि कार्य के लिए लाभदायक होगा। मत्स्य पालन हो सकता है, लोगों की जीविका का साधन बढेगा। उन्होने कहा कि नगर निगम के नगर आयुक्त दीपक कुमार मिश्रा, अनुमंडलाधिकारी वैभव नीतिन काजले को आवश्यक निर्देश दिये गये है। इसको लेकर कार्य योजना तैयार करने को कहा गया है। इसके बाद मंत्री श्री कुमार ने नूरसराय प्रखंड के बियावानी गांव में गरीब गुरबों के बीच कंबल का वितरण भी किया। उन्होन कहा कि गरीब-गुरबों की मदद के लिए सरकार हमेशा प्रयत्नशील रहती है। सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान में बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने का काम नीतीश सरकार में किया जा रहा है। यही कारण है कि इस ठंड के मौसम में सरकार के द्वारा गरीब-गुरबों, असहाय, वंचितों के लिए कंबल का वितरण किया जा रहा है। सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि सरकार ठंड के मौसम से लोगों के बचाव के लिए हर प्रकार की व्यवस्था कर रही है। इस अवसर पर बिहारशरीफ जदयू अध्यक्ष गुलरेज अंसारी, जदयू प्रवक्ता डा धनंजय कु देव, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार, प्रखंड अध्यक्ष संजय कुशवाहा, धनंजय मुखिया, युगल किशोर मुखिया, उपेन्द्र दिलवाला, भोला महतो, सकलदीप प्रसाद, प्रदीप मुखिया, संजय प्र कुशवाहा, इंदु चौहान, दिनेश साव, अशोक प्रसाद, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि रंजय वर्मा, अरूण वर्मा, आकाश कु काजल, बिट्टू कुशवाहा, प्रो आनंद वर्मा, रंजीत सिंह, टुन्नी महतो, प्रशांत कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में मानव श्रृंखला बनायीं

नई सोच एक्सप्रेस

कटिहार। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध मे कटिहार मे स्थित अरुण चौधरी सरस्वती शिशु मंदिर के भैया बहनों द्वारा विशाल मानव श्रृंखला बनायीं गई। सभी बच्चे विद्यालय होते हुए पी एन टी चौक एवं पूरे मुह्हले मे घूम घूम कर बांग्लादेश में हो रहे हिन्दु महिलाओं पर अत्याचार के विरुद्ध मे लोगो को जागृत करने का काम किया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सचिव अमित कुमार गुप्ता उर्फ़ बबलू गुप्ता,प्रधानाचार्य रेखा देवी, आचार्या वर्षा ठाकुर,नीतू,अभिमन्यु,नीलू एवं संघ परिवार के अभिषेक मौजूद थे।

कृष्णा सुदर्शन पब्लिक स्कूल का 16वाँ वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

बाढ़। यूसुफ गार्डेन रोड स्थित कृष्णा सुदर्शन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में स्कूल का 16वाँ वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का उद्‌घाटन संस्थापक राजकृषि आचार्य श्री सुदर्शन महाराज, एक्सक्यूटिव चेयरमैन बी. के. सुदर्शन, स्कूल प्रेसिडेंट सत्यम सुदर्शन, डायरेक्टर ईशा सुदर्शन, चीफ कॉर्डिनेटर ओ. पी. सिंह, विशिष्ट अतिथि किरण सुदर्शन, नगर अध्यक्ष संजय कुमार उपाध्यक्ष प्रतिनिधि रवि प्रकाश विद्यार्थी, डॉ. अजय कुमार, डॉ वरुण शर्मा, प्राचार्य संतोष कुमार, प्रबंधक संजय कुमार सिंह के द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्राचार्य ने तमाम अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने आए अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम -की प्रस्तुति पर बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। आचार्य श्री सुदर्शन जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को -शिक्षा थोपने की बजाय उनके रूचि अनुसार बेहतर शिक्षा का माहौल पैदा करना चाहिए। बी. के. सुदर्शन ने कहा कि कृष्णा सुदर्शन पब्लिकं स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने विद्यालय में अनुशासन, पढ़ाई और विद्यार्थियों की अन्य गतिविधियों के लिए अध्यापकों की प्रशंसा की। मौके पर अभिभावकों के अलावे अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्राचार्य संतोष कुमार ने विद्यालय के वार्षिक उपलब्धियों, शिक्षण विधियों एवं सुविधाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

रेल मंत्री ने भारतीय रेल के 101 अधिकारियों,कर्मचारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया

नई सोच एक्सप्रेस

» पूर्व मध्य रेल के 01 अधिकारी एवं 04 कर्मचारी भी माननीय रेल मंत्री से हुए सम्मानित
» सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन शील्ड संयुक्त रूप से पूर्व मध्य रेल, मध्य रेल तथा दक्षिण मध्य रेल को

दिल्ली। रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार श्री अश्विनी वैष्णव ने 21 दिसंबर, 2024 की संध्या भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व मध्य रेल के 01 अधिकारी तथा 04 कर्मचारी सहित भारतीय रेल के कुल 101 समर्पित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रेल सेवा में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित 69वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2024 प्रदान कर सम्मानित किया। माननीय रेल मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर जोनल रेलवे,प्रोडक्शन यूनिट को शील्ड भी प्रदान किया। माननीय रेल मंत्री द्वारा इस वर्ष सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन शील्ड पूर्व मध्य रेलवे, मध्य रेलवे एवं दक्षिण मध्य रेलवे को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया । पूर्व मध्य रेल की ओर से माननीय रेल मंत्री से यह शील्ड महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने प्राप्त किया । इस अवसर पर रेल मंत्री ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण कार्यों और प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने पिछले एक दशक में भारतीय रेल में हुई परिवर्तनकारी प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत, नमो भारत और माल ढुलाई गलियारों जैसी परियोजनाओं ने रफ्तार पकड़ी है। कवच सुरक्षा प्रणाली को बड़े पैमाने पर लागू किया गया है। श्री वैष्णव ने स्टेशन पुनर्विकास में उल्लेखनीय प्रगति, गंभीर दुर्घटनाओं के मामलों में पर्याप्त कमी (345 से 90 तक) और शिकायतों से मुक्त कुशल भर्ती प्रक्रिया, 1.5 लाख पदों को भरने को रेखांकित किया। धनबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री अन्जय तिवारी, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (ड्राइंग एंड डिजाइन) श्री कुंज बिहार लाल तथा लेखा सहायक श्री प्रवीण रंजन, सोनपुर मंडल में प्वाइंट्समैन पद पर कार्यरत श्री श्याम सुंदर प्रसाद तथा सीनियर कॉमर्शियल एवं रिजर्वेशन क्लर्क (सीसी) श्री संजीव कुमार को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया गया ।

भारत में आर्थिक अज्ञान का साया आज भी घना

फिर भी भारतीय की आर्थिक प्रगति का नैरेटिव पेश किया जाता है, तो उसे दुस्साहस ही कहा जाएगा। अगर इस कथानक को लोग स्वीकार करते हैं, तो उसका यही अर्थ माना जाएगा कि भारत में आर्थिक अज्ञान का साया आज भी घना है। वित्त वर्ष 2023-24 में कृषि पर निर्भर श्रमिकों की संख्या 25 करोड़ 90 लाख तक पहुंच गई। इसके पहले वाले वित्त वर्ष में ये 23 करोड़ 30 लाख थी। इस तरह 2017-18 से भारतीय अर्थव्यवस्था की पीछे की ओर शुरू हुई दौड़ ना सिर्फ जारी है, बल्कि उसकी रफ्तार और तेज हो गई है। इसे इसलिए पीछे की ओर दौड़ कहा गया है, क्योंकि हर विकसित अर्थव्यवस्था की दिशा यह रही है कि लोग रोजगार के लिए कृषि से उद्योग या सेवा क्षेत्र की ओर जाते हैं। विकसित होने का एक पैमाना यह दिशा भी है। आंकड़ों के मुताबिक 2004-05 से 2016-17 तक भारत भी इसी दिशा में बढ़ रहा था। उस दौरान कृषि पर निर्भर श्रमिकों की संख्या में छह करोड़ 60 लाख की गिरावट आई थी। उसके बाद दिशा बदल गई। यहां पर इस ओर ध्यान खींचना उचित होगा कि 2016 वह साल था, जब नोटबंदी लागू की गई। साल भर बाद उसके प्रभाव जाहिर होने लगे। उस वर्ष (2017-18) भारत में कृषि निर्भर मजदूरों की संख्या 19 करोड़ दस लाख थी। तब से ये तदाद लगातार बढ़ी है। अब तक इसमें कुल छह करोड़ 80 लाख की वृद्धि हो चुकी है। इस तरह यह साफ है कि 2004-05 से 2016-17 के बीच जो प्रगति हुई, वह पलट कर अब नकारात्मक हो चुकी है। यह भी रेखांकित करने का पहलू है कि इस दरम्यान जिन राज्यों में यह बढ़ोतरी सबसे ज्यादा हुई, वे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और राजस्थान हैं, जिन्हें कभी अपमान भाव के साथ बीमारू कहा जाता था। दूसरा ध्यान खींचने वाला पहलू यह है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर श्रमिकों के बीच महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। भारतीय वर्क फोर्स में महिलाओं की स्थिति पहले भी बेहतर नहीं थी। मगर गुजरे सात वर्षों में यह बदतर होती गई है। इसके बावजूद भारतीय की आर्थिक प्रगति का नैरेटिव पेश किया जाता है, तो तथ्यों की रोशनी में उसे दुस्साहस ही कहा जाएगा। अगर इस कथानक को लोग स्वीकार करते हैं, तो उसका यही अर्थ होगा कि भारत में आर्थिक अज्ञान का साया आज भी घना है।

किसानों की बुलंद आवाज़ थे चौधरी चरण सिंह

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वे कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोड़ने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हें 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है। चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे-से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितों, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे। चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी। किसानों में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने। चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया।

भारत में दान करने की प्रथा से गरीब वर्ग का होता है कल्याण

आरती कुमारी

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में दान दक्षिणा की प्रथा का अलग ही महत्व है। भारत में विभिन्न त्यौहारों एवं महापुरुषों के जन्म दिवस पर मठों मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर समाज के सम्पन्न नागरिकों द्वारा दान करने की प्रथा अति प्राचीन एवं सामान्य प्रक्रिया है। गरीब वर्ग की मदद करना ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा माना जाता है। समाज में आपस में मिल बांटकर खाने पीने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है और यह प्रथा भारतीय समाज में बहुत आम है। परिवार में आई किसी भी खुशी की घटना को समाज में विभिन्न वर्गों के बीच आपस में बांटने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है। इस उपलक्ष में कई बार तो बहुत बड़े स्तर पर सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन भी किए जाते हैं। जैसे जन्म दिवस मनाना, परिवार में शादी के समारोह के पश्चात समाज में नाते रिश्तेदारों, दोस्तों एवं मिलने वालों को विशेष आयोजनों में आमंत्रित करना, आदि बहुत ही सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत के विभिन्न मठों, मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर प्रतिदिन 10 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रसादी के रूप में भोजन वितरित किया जाता है। साथ ही, पूरी दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जिसमें निवासरत नागरिक, चाहे वह कितना भी गरीब से गरीब क्यों न हो, अपनी कमाई में से कुछ राशि का दान तो जरूर करता है। भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि हिंदू सनातन संस्कृति के अनुरूप, महर्षि दधीच ने तो, देवताओं को असुरों पर विजय प्राप्त करने के उद्देश्य से, अपने शरीर को ही दान में दे दिया था, जिसे इतिहास में उच्चतम बलिदान की संज्ञा भी दी जाती है। आज के युग में जब अर्थ को अत्यधिक महत्व प्रदान किया जा रहा है, तब अधिक से अधिक धनराशि का दान करना ही शुभ कार्य माना जा रहा है। इस दृष्टि से वैश्विक स्तर पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि दुनिया में सबसे बड़े दानदाता के रूप में आज भारत के टाटा उद्योग समूह के श्री रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आता है। इस सूची में टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेदजी टाटा का नाम भी बहुत सम्मान के साथ लिया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में 8.29 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। इसी प्रकार, श्री रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने वर्ष 2021 तक 8.59 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। आप अपनी कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब वर्ग की सहायतार्थ दान में दे देते थे। श्री रतन टाटा केवल भारत स्थित संस्थानों को ही दान नहीं देते थे बल्कि वैश्विक स्तर पर समाज की भलाई के लिए कार्य कर रहे संस्थानों को भी दान की राशि उपलब्ध कराते थे। आपने वर्ष 2008 के महामंदी के दौरान अमेरिका स्थित कार्नेल विश्वविद्यालय को 5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का दान प्रदान किया था। श्री रतन टाटा ने आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे छात्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जे. एन. टाटा एंडाउमेंट, सर रतन टाटा स्कॉलर्शिप एवं टाटा स्कॉलर्शिप की स्थापना कर दी थी। श्री रतन टाटा चूंकि अपनी कमाई का बहुत बड़ा भाग दान में दे देते थे, अतः उनका नाम कभी भी अमीरों की सूची में बहुत ऊपर उठकर नहीं आ पाया। इस सूची में आप सदैव नीचे ही बने रहे। श्री रतन टाटा जी के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपने जीवन काल में इतनी बड़ी राशि का दान किया था कि आज विश्व के 2766 अरबपतियों के पास इतनी सम्पत्ति भी नहीं है। यूं तो टाटा समूह ने भारत राष्ट्र के निर्माण में बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, परंतु कोरोना महामारी के खंडकाल में श्री रतन टाटा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जिस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा था, उस समय श्री रतन टाटा ने न केवल भारत बल्कि विश्व के कई अन्य देशों को भी आर्थिक सहायता के साथ साथ वेंटिलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, मास्क और दस्ताने आदि सामग्री उपलब्ध कराई। श्री रतन टाटा के निर्देशन में टाटा समूह ने इस खंडकाल में 1000 से अधिक वेंटिलेटर और रेस्पिरेटर, 4 लाख पीपीई किट, 35 लाख मास्क और दास्ताने और 3.50 लाख परीक्षण किट चीन, दक्षिणी कोरिया आदि देशों से भी आयात के भारत में उपलब्ध कराए थे। श्री रतन टाटा के पूर्वज पारसी समुदाय से थे और ईरान से आकर भारत में रच बस गए थे। श्री रतन टाटा ने न केवल भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपने जीवन में उतारा, बल्कि इन संस्कारों का अपने पूरे जीवनकाल में अक्षरशः अनुपालन भी किया। इन्हीं संस्कारों के चलते श्री रतन टाटा को आज पूरे विश्व में सबसे बड़े दानदाता के रूप में जाना जा रहा है। टाटा समूह का वर्णन तो यहां केवल उदाहरण के रूप में किया जा रहा है। अन्यथा, भारत में ऐसे कई औद्योगिक घराने हैं जिन्होंने अपनी पूरी संपत्ति को ही ट्रस्ट के माध्यम से समाज के उत्थान एवं समाज की भलाई के लिए दान में दे दिया है। प्राचीन भारत में यह कार्य राजा महाराजाओं द्वारा किया जाता रहा हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के विभिन्न शास्त्रों में यह वर्णन मिलता है कि ईश्वर ने जिसको सम्पन्न बनाया है, उसे समाज में गरीब वर्ग की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए। यह सहायता गरीब वर्ग को सीधे ही उपलब्ध कराई जा सकती है अथवा ट्रस्ट की स्थापना कर भी गरीब वर्ग की मदद की जा सकती है। वर्तमान में तो निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर – कोरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) के सम्बंध में कानून की बना दिया गया है। जिन कम्पनियों की सम्पत्ति 500 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक व्यापार 1000 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक शुद्ध लाभ 5 करोड़ से अधिक है, उन्हें इस कानून के अंतर्गत अपने वार्षिक शुद्ध लाभ के दो प्रतिशत की राशि का उपयोग समाज की भलाई के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं पर खर्च करना आवश्यक होता है। इन विभिन्न मदों पर खर्च की जाने वाली राशि का प्रतिवर्ष अंकेक्षण भी कराना होता है, ताकि यह जानकारी प्राप्त की जा सके राशि का सदुपयोग समाज की भलाई के लिए किया गया है एवं इस राशि का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग नहीं हुआ है। भारत में गरीब वर्ग/परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में समाज में सम्पन्न वर्ग द्वारा किए जाने वाले दान आदि की राशि से भी बहुत मदद मिलती है। निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर) योजना के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ भी समाज के गरीब वर्ग को ही मिलता है। अतः विश्व में शायद भारत ही एक ऐसा देश है जहां सरकार एवं समाज मिलकर गरीब वर्ग की भलाई हेतु कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। इसीलिए ही अब यह कहा जा रहा है कि हिंदू सनातन संस्कृति का विस्तार यदि वैश्विक स्तर पर होता है तो, इससे पूरे विश्व का ही कल्याण हो सकता है एवं बहुत सम्भव है कि वैश्विक स्तर पर गरीबी का नाश होकर चहुं ओर खुशहाली फैलती दिखाई दे।

क्या काम के घंटे बढ़ाना ही आर्थिक विकास का हल है?

अशोक भाटिया, मुंबई

आज के आर्थिक और सामाजिक युग में कार्यक्षेत्र के भीतर अत्यधिक काम का दबाव एक प्रमुख और जटिल समस्या बन गया है। यह समस्या किसी एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर व्यापक रूप से देखी जा सकती है। विकसित और विकासशील देशों में कार्य संस्कृति में तेज़ी से बदलाव आए हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों को प्रायः नज़रअंदाज़ कर दिया गया है। कार्यस्थल पर बढ़ते दबाव के कारण न केवल कर्मचारियों की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, बल्कि समाज के भीतर असंतुलन और असंतोष की स्थिति भी उत्पन्न हुई है। हाल ही में, भारत में उद्योगपति नारायण मूर्ति ने युवाओं को साल में 70 घंटे काम करने का सुझाव दिया। उनके अनुसार, यह आर्थिक प्रगति का एक संभावित समाधान हो सकता है। हालांकि, इस सुझाव ने यह गंभीर बहस छेड़ दी कि क्या केवल काम के घंटों को बढ़ाकर आर्थिक विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहाँ आर्थिक असमानता और श्रम कानूनों का प्रभाव सीमित है, इस तरह के सुझाव कर्मचारियों के लिए नई चुनौतियाँ पैदा कर सकते हैं। तकनीकी प्रगति और वैश्वीकरण ने कार्यक्षेत्र के ढाँचे में बड़े और व्यापक बदलाव किए हैं। इन बदलावों के कारण कार्य प्रक्रियाएँ अधिक जटिल हो गई हैं और कर्मचारियों से अत्यधिक अपेक्षाएँ की जाने लगी हैं। उदाहरण के लिए, जापान में "करोशी" जैसे शब्द का प्रचलन इस समस्या की गहराई को दर्शाता है। "करोशी," जिसका अर्थ है "अत्यधिक काम के कारण मृत्यु," यह बताता है कि कार्यक्षेत्र में असंतुलन कितना घातक हो सकता है। जापान में यह स्थिति वहाँ की संस्कृति में कार्यस्थल को व्यक्तिगत जीवन से अधिक प्राथमिकता देने के कारण उत्पन्न हुई है। यही प्रवृत्ति अब भारत में भी उभर रही है, जहाँ कर्मचारियों को लंबी शिफ्टों और निरंतर दबाव में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। भारत में कार्यक्षेत्र में अत्यधिक दबाव कई बहुस्तरीय और जटिल कारणों से उत्पन्न होता है। इनमें आर्थिक असमानता, दक्ष संसाधनों की कमी और श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की अनुपस्थिति प्रमुख हैं। कंपनियाँ अपने लाभ को प्राथमिकता देते हुए सीमित संसाधनों और न्यूनतम मानवबल के माध्यम से अधिकतम उत्पादन करने का प्रयास करती हैं। इसका सीधा प्रभाव कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसके अतिरिक्त, कार्य प्रदर्शन का आकलन अक्सर केवल काम के घंटों की गणना पर आधारित होता है, जबकि वास्तविक उत्पादकता और कार्यकुशलता का मूल्यांकन करने के प्रयास न्यूनतम होते हैं। अत्यधिक कार्यभार का प्रभाव केवल कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उनके परिवार और समाज पर भी गहरा असर डालता है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ जैसे तनाव, अवसाद और चिंता निरंतर कार्य दबाव के कारण तेज़ी से बढ़ रही हैं। शारीरिक स्वास्थ्य पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। परिवार और मित्रों के साथ समय न बिता पाने के कारण सामाजिक संबंधों में दरार आ जाती है, जिससे व्यक्ति अलगाव और असंतोष की भावना का शिकार हो जाता है। उत्पादकता के संदर्भ में, अत्यधिक काम का दबाव अक्सर विपरीत प्रभाव डालता है। निरंतर थकावट और मानसिक तनाव के कारण कर्मचारियों की कार्यक्षमता में गिरावट आती है, जिससे संगठनों के लिए अपेक्षित परिणाम हासिल करना मुश्किल हो जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कार्य घंटों में वृद्धि से सफलता सुनिश्चित नहीं होती। इसके विपरीत, गुणवत्ता और कार्यकुशलता पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर इस समस्या का समाधान ढूँढने के लिए अनेक देशों ने प्रभावी कदम उठाए हैं। स्वीडन ने छह घंटे कार्यदिवस की नीति अपनाई, जिससे कर्मचारियों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और उनके जीवन की गुणवत्ता बेहतर हुई। जर्मनी ने भी कार्य घंटों को सीमित कर कर्मचारियों को दक्षता और कुशलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि कार्य घंटों को घटाने से कर्मचारियों की संतुष्टि और उत्पादकता दोनों में सुधार होता है, जो संगठनों की दीर्घकालिक प्रगति के लिए भी फायदेमंद है। भारत में इस दिशा में सुधार के लिए व्यापक नीतिगत बदलावों की आवश्यकता है। श्रम कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए, ताकि कार्यदिवस के घंटे तय हों और कंपनियाँ इन नियमों का सख्ती से पालन करें। "स्मार्ट वर्क" के विचार को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे कर्मचारी अपनी दक्षता और तकनीकी उपकरणों का उपयोग करते हुए कम समय में बेहतर परिणाम दे सकें। अंततः, संगठनों को यह समझना होगा कि उत्पादकता केवल काम के घंटों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि यह कर्मचारियों की प्रेरणा, कौशल-सम्मान और प्रोत्साहन पर आधारित होती है। कर्मचारियों को बेहतर परिणाम देने के लिए प्रेरित करना और उनकी क्षमताओं का सही आकलन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। संतुलित कार्यसंस्कृति न केवल कर्मचारियों को संतुष्टि प्रदान करती है, बल्कि उनकी उत्पादकता और समर्पण को भी बढ़ाती है। मानवता और उत्पादकता के बीच संतुलन स्थापित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि संगठन और सरकारें इस दिशा में ठोस कदम उठाएँ, तो यह न केवल कर्मचारियों के लिए, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद सिद्ध होगा। यही एक स्थायी, सकारात्मक और समृद्ध कार्यसंस्कृति का आधार है।

शब्द पहेली - 8350

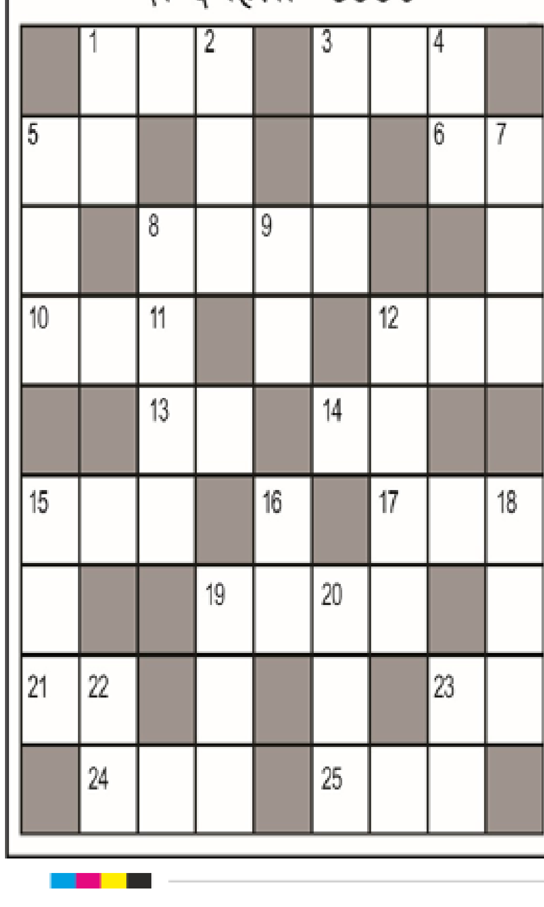

बाएँ से दाएँ

1.लाचार,बेबस-3
3.प्राण,जान-3
5.दुर्ग,फोर्ट-2
6.सद्पुरुष-2
8.कवायद-4
10.प्रतिघात,मुआवजा-3
12.कंठ,गला-3
13.लकड़ी-2
14.प्रथम मानव-2
15.धोखेबाज,कपटी-3
17.माजरा,घटना-3
19.कहासुनी,झंझट -4
21.संबोधन-2
23.चावल-2
24.रगड़ना,लगाना-3
25.वादा,प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1.लता,लतिका-2
2.चावल (अंग्रेजी-3)
3.हूर,अप्सरा-3
4.आकाश,व्योम-2
5.शायरी करनेवाला-3
7.योग्य,उपयुक्त-3
8.अदाकार,फनकार-4
9.घोड़ागाड़ी-2
12.बजरंगबली-4
15.माह,मास-3
16.जांघ,जंघा-2
18.धिक्कार,फटकार-3
19.मामूली,तुच्छ-3
20.बहने का भाव-3
22.संस्कृत में 'मेरा'-2
23.होश,आभास-2

शब्द पहेली -8349 का हल

आ	ह	■	प	र	दा	■	क	म
ग	■	क	ना	त	■	र	च	ना
■	क	ल	ह	■	ग	ह	रा	■
श	र	म	■	ह	र	म	■	स
री	म	■	आ	रा	म	■	क	म
फ	■	शी	स	म	■	न	ह	र
■	क	त	रा	■	अ	म	र	■
बा	द	ल	■	रा	ज	न	■	त
ज	र	■	ज	ह	र	■	द	वा

Jagrutidaur.com, Bangalore

मेष राशि– आज आपका दिन खुशहाल रहेगा।आज लेखकों की किताब पब्लिश होगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, आज आपको अपने खर्चों पर रोक लगाने की अवश्यकता।नवविवाहित दंपत्ति को आज जीवनसाथी से गिफ्ट मिलेगा। आज आप खुद को फिट महसूस करेंगे।

वृष राशि– आज का दिन शानदार रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारी अपने कारोबार को आगे बढाने का विचार कर सकते हैं। शिक्षको का ट्रान्सफर उनकी मनपसंद जगह पर हो जायेगा।जॉब के लिए प्रयासरत युवाओं को अपनी तलाश जारी रखने की जरुरत है, जल्द ही जॉब मिलेगी।स्वास्थय सम्बंधित समस्या के लिए आज किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे। आज अधूरे कार्यों को पूरा करने का अच्छा समय है।

मिथुन राशि– आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है।काफी दिनों से किसी मनचाही चीज को लेने का सपना आज पूरा होगा। ड्राई फ्रूट्स का कारोबार कर रहे लोगों का काम अच्छा चलेगा।विद्यार्थियों को आज अपने पुराने चैप्टर का अध्यन करते रहने की जरुरत है।

कर्क राशि– आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है।नए बिजनेस को शुरू करने का विचार आपको उत्साहित करेगा। परिवार के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बना सकते है।काफी समय से एक ही जगह कार्यरत लोगों की सैलरी में इन्क्रीमेंट होगा। आज आपके पिता अपना जरुरी कार्य आपको करने को दे सकते हैं।

सिंह राशि– आज का दिन रोज की अपेक्षा अच्छा रहने वाला है।आज वाहन चलाते समय आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। आज अपने करीबी दोस्त की वजह से आपको जॉब मिलेगी, इससे आपकी दोस्ती और गहरी होगी।आज कार्यक्षेत्र में बाहरी की सलाह से अच्छा है, आप घरवालों की बात को समझे।

कन्या राशि– आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। लकड़ी का कारोबार कर रहे लोगों की इनकम में बढ़ोत्तरी होगी। आज घर के बड़ों को समय से दवाइयां देने की जरुरत है। लवमेट के रिश्ते में हो रही गलत फेहमियाँ आज समाप्त होंगी, आपका रिश्ता और मजबूत बनेगा।बच्चे आज किसी जरुरी बात को अपनी माँ से शेयर करेंगे।आज कंप्यूटर सीखने की इजाजत अपने परिवारजनों से ले सकते हैं।सोशल मीडिया पर आपके फोल्लोवर्स में इजाफा होगा।

तुला राशि– आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है।कॉस्मेटिक कारोबारी आज ऑनलाइन अपने प्रोडक्ट की अच्छी सेल कर पाएंगे। ऑफिस में आपके काम से खुश होकर बॉस आपको नया टारगेट दे सकते हैं।जीवनसाथी के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते है।विज्ञान जगत से जुड़े लोगों को आज सम्मानित किया जायेगा।ब्लड प्रेशर सम्बंधित समस्या से परेशान लोगों को आज आराम मिलेगा।छात्रों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है।

वृश्चिक राशि– आज का दिन अच्छा रहने वाला है।अपने ईगो को छोंड़कर बड़ों की बात को सुने।महिलाएं आज जीवनसाथी के मनपसंद का डिश बनाएंगी। घर में बड़े बुजुर्गों की सेहत का ध्यान देने की अवश्यकता है।वाहन लेने का विचार-विमर्श परिवार वालों के साथ कर सकते हैं।दामपत्य रिश्ते में आपको बड़ी खुशखबरी मिलेगी, जिससे घर में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा।पहले से चल रही ईएमआई की किस्ते आज पूरी हो जाएँगी।

धनु राशि– आज आपका दिन शानदार रहेगा।आज आप अपने दोस्त की मदद से रुके हुए प्रोजेक्ट को पूरा कर लेंगे। आज किसी अनजान व्यक्ति की वजह से आपका मूड ख़राब हो सकता है, लेकिन थोड़ी देर बाद ठीक भी हो जायेगा। आज आपकी मुलाकात कुछ नए लोगों से होगी।स्किन प्रॉब्लम से परेशान लोग आज किसी अच्छे डॉक्टर को दिखाने का विचार करेंगे। आज आप दूसरों से अपना काम निकलवाने में सक्षम रहेंगे।

मकर राशि– आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है।ऑफिस में कई दिनों से रुका कार्य आज समय से पूरा कर लेंगे। डिप्लोमा छात्रों के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा।घर में किसी खास रिश्तेदार के आगमन से ख़ुशी का माहौल बनेगा। ट्रांसपोर्ट का कारोबार कर रहे लोगों को अच्छा लाभ होगा।शिक्षकों का ट्रांसफर उनकी मनपसंद जगह पर होने की सम्भावना है।

कुंभ राशि– आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है।आज अचानक धन की प्राप्ति होगी, जिससे आपका बैंक बैलेंस मजबूत बनेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से आपको काफी हद तक आराम मिलेगा।कार्यक्षेत्र में बड़ों की सलाह आपको व्यापार में अच्छा लाभ दिलाएगी।किसी अच्छी कंपनी से आपके लिए जॉब का प्रस्ताव आ सकता है।आज आपके दामपत्य जीवन में सौहार्द्र बना रहेगा।

मीन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा।पिछले दिनों सेहत से परेशान लोग आज खुद को फिट महसूस करेंगे, स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों से छुटकारा मिलेगा।आज क्रेडिट कार्ड से फिजूल खर्चे से बचेंगे तो आप परेशानियों से बच जायेंगे।आज वकील किसी क्लाइंट के केस को जीतने में सफल रहेंगे, जिससे उन्हें अच्छा लाभ होगा।आज आपको अपने बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जो आगे चलकर आपके लिए कारगर साबित होगा।

मेलबर्न टेस्ट में अहम भूमिका निभाएंगे विराट : बांगड़

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि मेलबर्न में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में विराट कोहली अहम भूमिका निभाएंगे। बांगड़ ने कहा कि विराट ने अतीत में भी मेलबर्न मैदान (एमसीजी) पर काफी रन बनाये हैं। ऐसे में वह इस बार भी अवसर का इस्तेमाल करते हुए बड़ी पारी खेलेंगे। साथ ही कहा कि विराट के पास इस अवसर का उपयोग कर लय हासिल करना रहेगा। वह एक बार फिर अपने पर कायम भरोसे को बरकरार रखेंगे। इस सीरीज में अब तक कोहली का फॉर्म मिला-जुला रहा है। पर्थ में उनके शतक ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई पर इसके अलावा वह कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाये। 6 पारियों में 30 की औसत से केवल 126 रन बनाने वाले कोहली निरंतरता के लिए जाने जाते हैं जिसमें वह विफल रहे। अपने पर्थ शतक को छोड़कर उन्होंने 5 पारियों में केवल 26 रन बनाए हैं। टेस्ट सीरीज में कोहली एक बार फिर से ऑफ-स्टंप के बाहर की गेंदों पर विकेट गंवाते दिखे हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इस कमजोरी का पूरा लाभ उठाया है। बांगड़ का मानना है कि क्रीज पर धैर्य और शांत रवैया अपनाकर कोहली इस समस्या से बच सकते हैं। बांगड़ ने कहा कि कभी-कभी आपको एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति को थोड़ा नियंत्रण में रखने की आवश्यकता होती है। जब आप खेल के प्रति थोड़ा समर्पण करते हैं, थोड़ा समय बिताते हैं, कुछ समय के लिए बीच में आराम करते हैं, गेंदबाज के आपके पास आने का इंतजार करते हैं, और खुद गेंदबाज के पास नहीं जाते हैं, यह एक बड़े खिलाड़ी की निशानी है। एमसीजी का मैदान पर कोहली के लिए रन लेकर आता है। इस मैदान पर वो 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं। 2014 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने इसी मैदान पर 169 रन बनाए थे। मेलबर्न की पिच उछाल के लिए जानी जाती है, ऐसी परिस्थितियां अक्सर कोहली को रास आती हैं। बांगड़ ने कहा कि कोहली को अपने फ्रंट पैड के करीब गेंदों को खेलने पर ध्यान देने की जरूरत है, एक ऐसा तरीका जो उन्हें लय और प्रवाह हासिल करने में मदद कर सकता है। जितनी संभव हो उतनी गेंदें अपने फ्रंट पैड के करीब खेलें और फिर रन बनेंगे।

अश्विन के सामने नहीं टिक पाने से शर्मिंदा महसूस नहीं करता : एबेल

लंदन। इंग्लैंड की काउंटी टीम समरसेट के क्रिकेटर टॉम एबेल ने भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनकी गेंद पर आउट होने में शर्म की कोई बात नहीं होती। एबेल ने कहा कि अश्विन महानतम गेंदबाज है। और उनका सामना करना बेहद कठिन होता है। इस क्रिकेटर ने काउंटी क्रिकेट में खेले गए एक मुकाबले को याद किया है। साल 2019 में समरसेट और नॉटिंघमशायर के बीच एक मैच उनका सामना अश्विन से हुआ था। काउंटी में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी वह अश्विन की गेंदों के सामने टिक नहीं पाए। अश्विन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद एबेल ने अश्विन के साथ अपने उस मुकाबले को याद किया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें अश्विन से मुकाबले में अपना विकेट खोने में कोई शर्म नहीं है। एबेल ने कहा कि मैंने टीवी पर अश्विन को भारतीय टीम के लिए गेंदबाजी करते हुए देखा है। वह अब तक खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक है। वह महान ऑफ-स्पिन गेंदबाज है। उनके सामने कोई भी बल्लेबाज अपने को परख सकता है। मुझे अश्विन जैसी गुणवत्ता वाले खिलाड़ी के खिलाफ खेलने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात रही है। इसलिए आउट होने का कोई मलाल नहीं है। अश्विन ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, जिससे रेड-बॉल क्रिकेट में एक शानदार करियर की शुरुआत हुई। उन्होंने 106 टेस्ट मैचों में शानदार 537 विकेट लिए। वह 37 बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं जबकि उन्होंने 3,503 रन भी बनाये हैं। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 टेस्ट खेले, जिसमें 2.71 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट से 115 विकेट लिए। 38 वर्षीय खिलाड़ी ने 2020-21 संस्करण के दौरान बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में सबसे अधिक 29 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी था। खेल के सबसे लंबे प्रारूप में, अश्विन ने कई रिकॉर्ड बनाए जिन्हें पार करना मुश्किल हो सकता है। वह सबसे तेज 350 टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं।

पंजाब किंग्स को आईपीएल खिताब जिताने का प्रयास करेंगे श्रेयस अय्यर

मुम्बई। आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। इस साल 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौंसले बुलंद हैं। कि उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्ग को खिताब दिलाना है। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें खरीदा है। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कप्तानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं। अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद यह एक अवास्तविक एहसास है। पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की गई, और लड़कों ने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब, हम हैं इस हिस्से के साथ काम पूरा हो चुका है और अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर होने से हताश हैं मैकस्वीनी

गाबा। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी बॉर्डर गावस्कर सीरीज के अंतिम दो मैचों के लिए टीम में जगह हासिल नहीं कर पाने से बेहद निराश हैं। मैकस्वीनी ने कहा है कि वह बेहद दुखी है पर अपना हौंसला बनाये रखते हुए दोबारा मेहनत कर टीम में जगह बनाएंगे। मैकस्वीनी सीरीज में मिले तीन टेस्ट मैचों में अवसरों का लाभ नहीं उठा पाने के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अंतिम दो मैचों के लिए जगह नहीं देते हुए युवा सैम कोंटास को अवसर दिया है।<मैकस्वीनी ने माना है कि टीम से बाहर होने से वह टूट चुके हैं। मैकस्वीनी ने कहा कि, हां मैं टूट गया हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा सपना सच हुआ पर उस तरह से नहीं, जैसे मैं चाहता था। खेल में ऐसा होता है। मैं कड़ी मेहनत करके अगले अवसरों के लिए अपने को तैयार करूंगा। मैकस्वीनी ने पर्थ में भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया पर पिछली 6 पारियों में वह एक बार फिर 39 रनों से ज्यादा नहीं बना पाये। उन्हें सीरीज में चार बार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आउट किया। ऐसे में देखा जाये तो उनके टीम से बाहर जाने में बुमराह का सबसे बड़ा हाथ रहा है। मैकस्वीनी ने कहा कि, क्रिकेट में ऐसा ही है। अवसर मिलने पर अच्छा नहीं खेलने से जगह हाथ से निकल जाती है।

धवन, कार्तिक और अश्विन सहित 9 भारतीय खिलाड़ियों ने इस साल सभी प्रारुपों से संन्यास लिया

रोहित , विराट और जडेजा ने टी20 को अलविदा कहा

मुम्बई। इस साल भारतीय टीम के करीब एक दर्जन खिलाड़ियों ने संन्यास लिया। इसमें शिखर धवन और दिनेश कार्तिक से लेकर कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविन्द्र जडेजा और अंत में आर अश्विन हैं। धवन, कार्तिक और अश्विन सहित 9 खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास लिया है। वहीं रोहित , विराट और जडेजा ने टी20 प्रारुप को अलविदा कहा है ये एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप खेलते रहेंगे। इसके अलावा इस सूची में वह खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम मैच खेलने को मिले हैं। - **धवन-कार्तिक ने भी कहा अलविदा**

शिखर धवन और दिनेश कार्तिक ने इसी साल सबसे पहले संन्यास लिया। इन दोनों ने सभी प्रारुपों से संन्यास का ऐलान किया था। धवन ने आखिरी टेस्ट 2018 में, टी20 2021 में और एकदिवसीय 2022 में खेला था। वहीं कार्तिक ने आखिरी टेस्ट 2018, एकदिवसय 2019 और टी20 2022 में खेला था।

अश्विन ने भी अलविदा कहा- ऑस्ट्रेलिय के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद आर अश्विन ने भी सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया है।पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में उन्हें जगह नहीं मिली तो अश्विन संन्यास का ऐलान करना चाहते थे, मगर रोहित शर्मा ने उन्हें एडिलेड टेस्ट तक रोका जहां उन्हें प्लेइंग XI में जगह नहीं मिली है। जब तीसरे टेस्ट में उन्हें फिर से ड्रॉप किया गया तो उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी। अश्विन ने अंतिम बार टी20 2022 में तो एकदिवसीय 2023 में खेला था। इसके अलावा बंगाल के क्रिकेटर सौरभ तिवारी ने भी सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया। संन्यास लेने वाले अन्य खिलाड़ियों में वरुण एरोन, केदार जाधव, बरिंदर सरन, ऋद्धिमान साहा, सिद्धार्थ कौल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

व्यापार

वैश्विक रुझान, एफआईआई की गतिविधियां तय करेंगी शेयर बाजार की दिशा : विश्लेषक

रुपये-डॉलर का रुख और कच्चे तेल के दाम भी बाजार को प्रभावित करेंगे

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा है कि इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में घरेलू मोर्चे पर कोई प्रमुख घटनाक्रम नहीं है। ऐसे में बाजार भागीदारों की नजरें वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। बाजार के एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि आगे की ओर देखें तो घरेलू मोर्चे पर किसी बड़े संकेतक का अभाव है। हालांकि, कुछ वैश्विक संकेतक बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसमें अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल, डॉलर इंडेक्स का प्रदर्शन, बेरोजगारी दावे और नए घरों की बिक्री के आंकड़े शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला चल रहा है। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाल बने हुए हैं। ऐसे में निवेशकों द्वारा सतर्क रुख अपनाए जाने की उम्मीद है। हालिया कमजोरी के रुख के बावजूद बाजार का दृष्टिकोण सतर्क रूप से आशावादी बना हुआ है। हालांकि, एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफआईआई का रुख अचानक से लिवाल से बिकवाल का हो गया, जिससे बाजार प्रभावित हुआ है। विश्लेषकों ने कहा कि रुपये-डॉलर का रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का रहेगा। बाजार भागीदारों की निगाह एफआईआई के प्रवाह और वैश्विक बाजारों के प्रदर्शन पर रहेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय बाजार में कमजोरी बने रहने की संभावना है। उतार-चढ़ाव के बीच बाजार भागीदारों की निगाह वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन आ रहा है और वैश्विक बाजारों में दो-तीन दिन अवकाश रहेगा। ऐसे में स्थानीय बाजार में भी गतिविधियां सुस्त रहेंगी।

किआ की नई एसयूवी सिरोस बाजार में पेश

नई दिल्ली। किआ मोटर्स ने अपनी नई एसयूवी सिरोस को बाजार में पेश किया है। इस मॉडल का लॉन्च ऑटो एक्सपो 2025 में किया जाएगा। किआ इस एसयूवी के जरिए अपनी दो अन्य एसयूवी मॉडल्स, सेल्टॉस और सोनेट, के बीच के ग्राहकों को आकर्षित करने की योजना बना रही है। यह एक बी सेगमेंट की एसयूवी है, जिसकी बुकिंग 3 जनवरी 2025 से शुरू होगी, और इसकी डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू हो जाएगी। सिरोस को एचटीके, एचटीके (ओ),एचटीके प्लस, एचटीके एचटीएक्स प्लस औरएचटीएक्स प्लस(ओ) के छह वैरिएंट्स में उपलब्ध कराया जाएगा, और यह 8 आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगी। डिजाइन के मामले में, किआ ने एसयूवी सिरोस को खासतौर पर स्पेशियस बनाने की कोशिश की है। इस एसयूवी की फ्रंट डिजाइन को बेहद बोल्ड और आकर्षक बनाया गया है, जिसमें वर्टिकल आइस क्यूब एलईडी हेडलाइट्स और बड़ा एलईडी डीआरएल शामिल हैं। इसके फ्रंट में शानदार लुक के साथ हाई सेट बोनट, बंपर में सिल्वर एलिमेंट्स और एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम के लिए रडार मॉड्यूल दिए गए हैं। इसकी साइड प्रोफाइल में लंबी रूफ टेल, ब्लैक बॉडी क्लैडिंग और 17 इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। इसके अलावा, डबल पैन पैनोरमिक सनरूफ और केबिन में 30 इंच का पैनोरमिक स्क्रीन सेटअप भी उपलब्ध है, जो वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो किआ ने सिरोज में 6 स्टैंडर्ड एयरबैग्स और 360 डिग्री कैमरा सुविधा दी है। इसके अलावा, इसमें ऑटो होल्ड के साथ इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक की भी सुविधा है। इंजन के विकल्प में, किआ सिरोस में 1.5 लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो 116 बीएचपी की पावर और 250 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। पेट्रोल विकल्प में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 120 बीएचपी की पावर और 172 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह एसयूवी 6-स्पीड मैनुअल, 7-स्पीड डीसीटी और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध होगी।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 पीएम मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च सम्मान,द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' से हुए सम्मानित;किसी प्रधानमंत्री को यहां आने में चार दशक लग गए,भारतीय प्रवासियों से बोले पीएम

2 नए मिजाज के साथ आगे बढ़ रहा देश,दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इकोनॉमी भारत;कुवैत में बोले पीएम मोदी

3 प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा:भारत और कुवैत का रिश्ता सभ्यताओं का है,सागर का है,स्नेह का है,व्यापार का है;भारत और कुवैत अरब सागर के दो किनारों पर बसे हैं,हमें सिर्फ डिप्लोमेसी ने ही नहीं,बल्कि दिलों ने आपस में जोड़ा है,हमारा वर्तमान ही नहीं,बल्कि हमारा अतीत भी हमें जोड़ता है

4 भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा:कुवैत के प्रसिद्ध व्यापारी अब्दुल लतीफ अल-अब्दुल रज्जाक की किताब 'हाउ टू कैल्कुलेट पर्ल वेट' मुंबई में छपी थी;कुवैत के बहुत सारे व्यापारियों ने निर्यात और आयात के लिए मुंबई, कोलकाता,पोरबंदर और गोवा में अपने कार्यालय खोले हैं;कुवैत के बहुत सारे परिवार आज भी मुंबई की मोहम्मद अली गली में रहते हैं

5 अमित शाह बोले: नॉर्थ-ईस्ट में अब उग्रवाद खत्म,10 साल में 9 हजार उग्रवादियों का सरेंडर;केंद्र ने रेलवे-सड़क पर 1.22 लाख करोड़ खर्च किए

6 देश में पराली से बनी पहली सड़क का उद्घाटन, गडकरी बोले:पराली से CNG भी बनाई जा रही; प्रदूषण घटेगा,किसानों को फायदा होगा

7 डीलर से सेकंड हैंड EV कार खरीदने पर 18% GST,फोर्टिफाइड राइस पर टैक्स घटाकर 5% किया,हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर छूट का मामला टला

8 वित्त मंत्री ने आगे बताया कि,बीमा प्रीमियम पर टैक्स घटाने का फैसला भी टाल दिया गया है क्योंकि इस पर कई जानकारियां,जैसे आईआरडीएआई की टिप्पणियां,अभी तक प्राप्त नहीं हुई हैं;वहीं बैंकों या वित्तीय संस्थानों की तरफ से उधारकर्ताओं पर लगाए गए दंड शुल्क पर कोई जीएसटी नहीं लिया जाएगा

9 वोटिंग के CCTV फुटेज जैसे इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स पब्लिक नहीं होंगे,सिर्फ कैंडिडेट्स देख सकेंगे;सरकार ने नियम बदला,दुरुपयोग की आशंका थी

10 एक देश,एक चुनाव चुनाव 2034 से पहले संभव नहीं,EVM पर 1.5 लाख करोड़ लगेंगे,दोगुनी करनी होगी सिक्योरिटी फोर्स

11 विदेश मंत्री जयशंकर की दो टूक:विरासत से सीखे दुनिया;भारत अपने फैसलों पर वीटो की इजाजत नहीं दे सकता

12 इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों से जुड़े नियम बदले,चुनाव आयोग पर भड़की कांग्रेस;कानूनी चुनौती देने की तैयारी

13 महाराष्ट्र में विभागों का बंटवारा,फडणवीस के पास गृह मंत्रालय,अजित को फाइनेंस और एक्साइज,शिंदे को अर्बन डेवलपमेंट और हाउसिंग

14 महाराष्ट्र के विभाग बंटवारे में BJP बनी बड़ा भाई'! शिंदे को नहीं मिला गृह मंत्रालय,अजित ने जो मांगा-वो मिला

15 संजय राउत बोले:मुंबई हमारी ताकत,BMC चुनाव अकेले लड़ेंगे,कहा:MVA पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा; कांग्रेस-सपा बोलीं:हम भी तैयार

16 सत्याग्रह नहीं,हथियार देखकर भागे अंग्रेज,बिहार के राज्यपाल बोले:समय आ गया सही इतिहास लिखा जाए,RJD बोली:गांधी के विचार खत्म करना चाहती है भाजपा

17 चेन्नई के पास थिरुपरुर मंदिर में दान पेटी में गिरा आईफोन,मंदिर ने अपनी संपत्ति बताया,फोन मांगने पर जवाब मिला:अब ये भगवान का,सिम कार्ड-डेटा ले लो

18 मौसम:ठंड ने जमाया कश्मीर,दिल्ली-हिमाचल में बारिश के आसार;यूपी के कई जिलों में छाया कोहरा

19 यूनीमेक एयरोस्पेस का IPO 23 दिसंबर को ओपन होगा,26 दिसंबर तक बिडिंग कर सकेंगे निवेशक,मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,915

20 पाकिस्तानी सैन्य पोस्ट पर आतंकी हमला,16 सैनिकों की मौत,2 घंटे जारी रहा अटैक,मशीन गन लूटी,आतंकी बोले:साथियों की शहादत का बदला लिया

21 भारत को तोड़ने की साजिश नाकाम,चिकन नेक' पर था बांग्लादेशी आतंकियों का निशाना

22 जयपुर अग्निकांड में रिटायर्ड IAS करणी सिंह की मौत,कार के चेसिस नंबर और DNA रिपोर्ट से हुई पुष्टि

23 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार पर भारत के हक में खुलकर आया दोस्त रूस,स्थायी सीट की दावेदारी पर दिया समर्थन

24 Amit Shah In Tripura:गृह मंत्री और त्रिपुरा जनजातीय परिषद के प्रतिनिधियों की मुलाकात,स्थानीय मुद्दों पर मंथन

25 रूस के कजान में 9/11 जैसा हमला, रिहायशी इमारतों से टकराए कई ड्रोन

26 पंजाब में 3 मंजिला इमारत गिरने से हड़कंप,15 लोग दबे होने की आशंका,रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

27 तेलंगाना सीएम और अकबरुद्दीन ओवैसी के दावों पर अल्लू अर्जुन बोले:मेरा चरित्र हनन किया जा रहा' है

28 पुलिस से अनुमति नहीं मिलने के बावजूद अल्लू अर्जुन पुष्पा-2' की स्क्रीनिंग में शामिल हुए:सीएम रेवंत रेड्डी

29 Brazil Accident: ब्राजील में भीषण सड़क हादसा,बस और ट्रक की टक्कर में 38 लोगों की मौत;कई घायल

30 जर्मनी क्रिसमस बाजार हमले में सात भारतीय नागरिक घायल,पीड़ितों की स्थिति पर करीब से नजर रख रहा भारत

31 जीन थैरिपी जीएसटी मुक्त,नमकीन पॉपकॉर्न पर पांच प्रतिशत लेकिन मीठे पर 18 प्रतिशज जीएसटी

32 बांग्लादेश में 3 और हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़,8 मूर्तियों को किया खंडित, एक गिरफ्तार

33 एलपीजी टैंकर ब्लास्ट मामले में हाईकोर्ट ने लिया स्वप्रेरित प्रसंज्ञान,केन्द्र व राज्य सरकार से मांगा जवाब

34 पूर्व सीएम ओपी चौटाला का पार्थिव शरीर पंच तत्व में विलीन,बेटे अभय व अजय ने दी मुखाग्नि

35 नफरत की आंधी, राहुल गांधी,संसद में धक्का-मुक्की को लेकर रायबरेली में लगे पोस्टर

36 U19 Women Asia Cup 2024 के फाइनल में भारत-बांग्लादेश होंगे आमने-सामने

37 लखनऊ:इंडियन ओवरसीज बैंक के 42 लॉकर काटे गए,दो दीवारों को काटकर घुसे थे चोर

38 पाली:पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के काफिले की गाड़ी पलटी,चार पुलिसकर्मी घायल

39 बीपीएससी की परीक्षा फिर से कराई जाए,तेजश्वी यादव ने सीएम नीतीश को फिर लिखा पत्र

40 दिल्ली पुलिस ने क्रिकेट सट्टेबाजी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़,10 लोग गिरफ्तार

फिल्म गेम चेंजर की नया सिंगल धोप का प्रोमो आउट

22 दिसंबर को रिलीज होगा राम चरण-कियारा का इलेक्ट्रिकल बीट फुल सॉन्ग

राम चरण की मोस्ट अवेटेड पैन इंडिया मूवी गेम चेंजर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए कमर कस ली है. मेकर्स ने फिल्म का नेक्स्ट सिंगल धोप सॉन्ग का प्रोमो लॉन्च किया है, जो काफी धमाकेदार है. धोप के इलेक्ट्रिकल बीट ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है. इसका पूरा गाना इसी हफ्ते में रिलीज होगा. इस फिल्म में राम चरण के अपोजिट कियारा आडवाणी लीड एक्ट्रेस के तौर

नजर आने वाली हैं. गेम चेंजर के मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए धोप का प्रोमो लॉन्च किया. गाने का पोस्टर के साथ प्रोमो साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, उनकी एनर्जी का भरपूर आनंद लिया जा सकता है. ग्लोबल स्टार राम चरण और कियारा आडवाणी धोप के लिए अपने सबसे शानदार अवतार में. 22 दिसंबर को एक शानदार धुन के साथ मिलते हैं. धोप का प्रोमो से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसका पूरा गाना इलेक्ट्रिकल बीट पर बेस्ड होगा. इस गाने में राम चरण और किराया दोनों नए अवतार में नजर आ सकते हैं. फिलहाल फैंस को पूरा गाने का आनंद लेने के लिए 22 दिसंबर तक का इंतजार करना होगा. फिल्म मेकर एस शंकर की निर्देशित, उनकी तेलुगु निर्देशन की पहली फिल्म, गेम चेंजर एक एंटरटेनिंग कहानी का वादा करती है. इस फिल्म में राम चरण ट्रिपल रोल निभाने वाले हैं. उनकी तीन भूमिकाओं की खबर ने फैंस के उत्साह में भारी हलचल मचा दी है. कार्तिक सुब्बाराज की लिखित इस फिल्म में राजनीतिक भ्रष्टाचार से लड़ने, निष्पक्ष चुनावों की वकालत करते हुए एक गांव में जल संसाधन संघर्ष जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को दिखाया गया है. फिल्म में कियारा आडवाणी, एसजे सूर्या, अंजलि, श्रीकांत, प्रकाश राज, सुनील जैसे कई अन्य स्टार शामिल हैं. यह फिल्म 2026 में मकर संक्राति के मौके पर रिलीज होगी.

द रोशंस की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, 17 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर दिखेगी तीन पीढ़ियों की विरासत

ऋ तिक रोशन, राकेश रोशन और राजेश रोशन जल्द ही एक बेहद खास प्रोजेक्ट में एक साथ नजर आने वाले हैं। कुछ समय पहले ही नेटफ्लिक्स की बहुप्रतीक्षित डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोशंस की घोषणा की गई थी, जो रोशन परिवार की फिल्म इंडस्ट्री में कई पीढ़ियों की विरासत को दर्शाएगी। अब एक नए पोस्टर के साथ इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज की रिलीज डेट का भी एलान कर दिया गया है। नेटफ्लिक्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर द रोशंस का नया पोस्टर शेयर किया गया। इस पोस्टर में ऋतिक रोशन, राकेश रोशन और राजेश रोशन एक साथ बैठे हुए दिख रहे हैं, जबकि उनके पीछे दिवंगत रोशन लाल नागरथ की तस्वीर है। पोस्ट के कैप्शन में डॉक्यूमेंट्री सीरीज से क्या उम्मीद की जा सकती है, यह बताया गया है और रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, लाइट्स, कैमरा, फैमिली! संगीत, फिल्मों और एक ऐसे रिश्ते के माध्यम से द रोशंस की दुनिया में डूब जाइए जो विरासत को परिभाषित करता है। देखिए द रोशंस, 17 जनवरी को केवल नेटफ्लिक्स पर। पोस्ट पर फैंस की ख़ुशी थमने का नाम नहीं ले रही थी। एक व्यक्ति ने लिखा, बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं! काउंटडाउन शुरू हो चुका है, जबकि दूसरे ने लिखा, 'द रोशन्स की विरासत देखने के लिए एक्साइटेड हूं। एक और कमेंट में लिखा गया, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के महान लोगों पर प्रेरणादायक डॉक्यूमेंट्री देखने का इंतजार है। 17 जनवरी - तारीख सेव कर ली। कई अन्य फैंस ने रेड हार्ट और फायर इमोजी के साथ अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। द रोशंस का निर्देशन शशी रंजन ने किया है। सूत्रों के मुताबिक इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज में बॉलीवुड के कई सितारों के इंटरव्यू भी होंगे, जिन्होंने रोशन परिवार के साथ काम किया है। राकेश रोशन ने इस साल की शुरुआत में शाहरुख खान का द रोशंस में योगदान के लिए धन्यवाद किया था।

सुरभि ज्योति की ने शेयर की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें, सिंपल साड़ी में एक्ट्रेस को देख यूजर्स ने दिए रिएक्शंस

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति हाल ही में शादी के बंधन में बंधी है। इसी बीच लगातार वो अपनी खूबसूरत और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर अक्सर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बनाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने भले ही थोड़े टाइम के लिए काम से ब्रेक ले रखा है, लेकिन आए दिन अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस को इस कदर दीवाना बनाती है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ एन्जॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस भले ही कुछ दिनों से एक्टिंग इंडस्ट्री से दूर हैं, लेकिन आए दिन अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को ट्रीट देती रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम

पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि ने लैवेंडर कलर की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसके साथ उन्होंने स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं। बताते चलें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- बेला की याद आ गई। दरअसल, सुरभि ज्योति ने नागिन शो किया था, जिसमें उन्होंने बेला का किरदार निभाया था। इसलिए आज भी लोग उन्हें बेला कहकर पुकारते हैं। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- कितनी सुंदर लग रही हैं आप। तीसरे यूजर ने लिखा है- यू आर लुकिंग सो ब्यूटिफुल। अन्य यूजर ने लिखा है- गॉर्जियस।

टीवी एक्ट्रेस दीपिका ने शुरू की शूटिंग, जल्द ही साझा करेंगी क्या नया कर रही हैं?

दीपिका कक्कड़ टीवी सीरियल 'ससुराल सिमर का के जरिए दर्शकों के बीच मशहूर हुई थी। इसके अलावा भी उन्होंने कई हिट टीवी सीरियल्स में काम किया। टीवी एक्टर शोएब इब्राहिम से शादी के बाद वह अपनी फैमिली लाइफ में व्यस्त हो

गई। उनका एक छोटा बेटा भी है, जिसकी परवरिश में वह अपना पूरा समय देती हैं। लेकिन टीवी सीरियल में काम ना करने के बावजूद भी वह लाइमलाइट में बनी रहती हैं। दीपिका टीवी सीरियल में एक्टिव ना होने के बावजूद भी, दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाए हुए हैं। दरअसल, वह अपना एक व्लॉग चैनल यूट्यूब पर चलाती हैं। इस चैनल का नाम 'दीपिका की दुनिया है। इसमें वह अपने हर दिन का हाल दर्शकों के साथ साझा करती हैं। उनके इस चैनल पर लगभग 3 मिलियन फॉलोअर हैं। हाल ही में अपने व्लॉगिंग चैनल पर ही दीपिका कक्कड़ ने बताया कि वह जल्द ही एक दर्शकों को एक खास प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। इसी व्लॉग में वह शूटिंग वाली जगह पर भी नजर आईं। शूटिंग पर उनका बेटा भी साथ में मौजूद था। दीपिका ने कहा कि वह जल्द ही बताएंगी कि किस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रही हैं। दीपिका के यूट्यूब चैनल पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है लेकिन उन्हें अकसर ट्रोलिंग का शिकार भी होना पड़ता है। अकसर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स दीपिका कक्कड़ और उनके पति शोएब इब्राहिम को उनके रहन-सहन और पहनावे को लेकर ट्रोल कर देते हैं। कई यूजर्स तो दीपिका को इसलिए भी ट्रोल करते हैं कि उन्होंने परिवार की देखभाल के लिए करियर से ब्रेक ले लिया है। इस ट्रोलिंग पर दीपिका भी चुप नहीं रहती हैं, वह बुरी बातें बोलने वाले लोगों को अपने व्लॉगिंग चैनल के जरिए ही मुंहतोड़ जवाब देती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।